राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार , 14 जनवरी 2026

वर्ष 16, अंक 71, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

अधिवक्ता सुरक्षा यात्रा का कारवां पहुंचा महराजगंज, विधेयक मंजूरी को लेकर जमकर नारेबाजी..03

हमीरपुर में अवैध खनन पर प्रशासन का चला चाबुक..04

वैष्णोदेवी मेडिकल कॉलेज: एमबीबीएस अनुमति रद्द होने पर राजनीतिक दल बोले- शिक्षा का सांप्रदायिकीकरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने जम्मू-कश्मीर के श्री माता वैष्णो देवी (एसएमवीडी) इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस को एमबीबीएस पाठ्यक्रम में दाख़िले की पिछले साल सितंबर में दी गई अनुमति को वापस लेने के बाद तीखी राजनीतिक प्रतिक्रियाएं आई हैं. मालूम हो कि एनएमसी ने 'न्यूनतम मानकों के पालन में गंभीर खामियों' का हवाला देते हुए एसएमवीडी विश्वविद्यालय को जारी 'लेटर ऑफ परमिशन' (एलओपी) वापस ले ली है. विश्वविद्यालय का बोर्ड ही इस मेडिकल संस्थान का संचालन करता है. गौरतलब है कि पिछले साल नीट रैंकिंग के आधार पर पहले बैच में दाख़िला पाने वाले 50 छात्रों में से 47 मुस्लिम, एक सिख और केवल दो हिंदू थे. जिसके बाद हिंदुत्व संगठनों और भाजपा के नेताओं ने मेरिट लिस्ट का विरोध करना शुरू कर दिया था. वे यह कहते हुए संस्थान बंद करने की मांग कर रहे थे कि इसे 'हिंदू तीर्थयात्रियों के दान' से चलाया जा रहा है इसलिए यहां एमबीबीएस सीटें केवल हिंदू छात्रों के लिए आरक्षित होनी चाहिए।

राजनीतिक प्रतिक्रियाएं

एनएमसी के इस इस कदम पर तीखी राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं. जम्मू-कश्मीर के नेताओं ने इसे शिक्षा का 'सांप्रदायिकीकरण' कहा है. जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ़्ती ने इंडियन एक्सप्रेस से कहा कि यह फैसला शिक्षा के 'सांप्रदायिकीकरण के नुकसानदेह नतीजों' को साफ़ तौर पर उजागर करता है. उन्होंने कहा, 'बीमारी का इलाज करने के बजाय बिना किसी गलती के मरीज़ को ही सज़ा दी जा रही है.' मुफ़्ती ने आगे कहा कि इससे भी ज़्यादा चिंताजनक यह है कि अगर 'एसएमवीडी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के साथ ऐसा किया जा सकता है, तो इसे कहीं और भी दोहराया जा सकता है, जिससे मेहनती युवाओं का भविष्य गंभीर ख़तरे में पड़ सकता है.' उन्होंने कहा, 'यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब भाजपा धार्मिक आधार पर दाख़िले सीमित करने की बात कर रही है, जो इसे और भी ख़तरनाक बनाता है. दुर्भाग्य से, हमारे मुख्यमंत्री भी इस फैसले के साथ खड़े नज़र आते हैं, जो गंभीर संदेह और चिंता पैदा करता है।'

हालांकि, जम्मू कश्मीर के मुख्तमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी इस कदम की कड़ी आलोचना की है. उन्होंने कहा, 'देश के अन्य हिस्सों में लोग अपने इलाके में मेडिकल कॉलेज लाने के लिए संघर्ष करते हैं, लेकिन यहां मेडिकल कॉलेज बंद कराने के लिए लड़ाई लड़ी गई.' सांबा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'आपने जम्मू-कश्मीर के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है. अगर आपको जम्मू-कश्मीर के युवाओं का भविष्य बर्बाद करने में खुशी मिलती है, तो जश्न मनाइए और पटाखे फोड़िए.' वहीं उनकी पार्टी नेशनल कांफ्रेंस के प्रदेश प्रवक्ता इमरान नबी डार ने एक बयान में कहा है कि यह कदम 'शिक्षा के प्रति भाजपा के लापरवाह और असंवेदनशील रवैये को उजागर करता है.' साथ ही आरोप लगाया कि पार्टी युवाओं के करिअर के साथ ख़तरनाक राजनीति कर रही है।

उन्होंने कहा, 'स्वतंत्र भारत में शायद यह पहला मामला है, जब कोई सांप्रदायिक रूप से विभाजनकारी पार्टी किसी मेडिकल कॉलेज की मान्यता समाप्त किए जाने का जश्न मना रही है. यह व्यवहारिक रूप से एक भयावह स्थिति है और जम्मू के लोगों के लिए एक दुखद क्षण है.' डार ने दावा किया कि यह फैसला न तो आकस्मिक है और न ही तकनीकी, बल्कि यह आपराधिक लापरवाही और गहरे दोषपूर्ण, सांप्रदायिक प्रशासनिक सोच का नतीजा है. उन्होंने कहा, 'केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश दोनों जगह पूर्ण नियंत्रण होने के बावजूद भाजपा अनिवार्य मेडिकल काउंसिल मानकों का बुनियादी पालन तक सुनिश्चित नहीं कर पाई. अचानक सामने आई इन खामियों से गंभीर सवाल उठते हैं और यह कदम भाजपा के विभाजनकारी एजेंडे को छिपाने की कोशिश जैसा दिखता है।'

वहीं, जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के प्रवक्ता रवींद्र शर्मा ने कहा कि उन्होंने कहा, 'भाजपा को यह बताना चाहिए कि पवित्र माता वैष्णो देवी जी के नाम पर बने एक प्रमुख मेडिकल संस्थान को बंद कर जम्मू ने आखिर क्या हासिल किया? स्वास्थ्य मंत्रालय, जिसकी जिम्मेदारी जेपी नड्डा के पास है, की विफलता छिपाने के लिए नियमों में बदलाव करने के बजाय जम्मू क्षेत्र को नुकसान झेलना पड़ा.' इससे पहले, आयोग की एक टीम ने 3 जनवरी को रियासी ज़िले के काक्रियाल क्षेत्र में स्थित संस्थान का 'आकस्मिक निरीक्षण' किया था. एसएमवीडी संघर्ष समिति के संयोजक सुखवीर सिंह मंकोटिया ने 4 जनवरी को बयान जारी कर कहा था कि यह निरीक्षण 'समिति के अनुरोध' पर किया गया था।

इससे पहले हिंदुत्व समूहों के समर्थन वाली इस समिति ने मेरिट लिस्ट में केवल दो हिंदू छात्र के नाम आने को 'हिंदुओं के साथ भेदभाव' करार देते हुए जम्मू में बड़े आंदोलन की चेतावनी दी थी. समिति का दावा है कि संस्थान में मुस्लिम और गैर-हिंदू छात्रों की मौजूदगी से कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती है. एनएमसी ने इन 50 छात्रों को, जिनका इस साल दाखिला हुआ था, केंद्र शासित प्रदेश के अन्य सरकारी मेडिकल कॉलेजों में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए हैं।

योगी सरकार का बुलडोजर एक्शन! देवरिया में अवैध मजार जमींदोज, सरकारी जमीन से हटाया गया कब्जा, इलाके में मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में योगी सरकार का बुलडोजर एक्शन देखने को मिला है। देवरिया शहर में स्थित अब्दुल गनी शाह बाबा की मजार को रविवार को प्रशासन ने गिरा दिया। यह मजार सरकारी बंजर जमीन पर अवैध रूप से बनाई गई थी। इस मामले की शिकायत देवरिया सदर के विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की थी, जिसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई तेज की।

एसडीएम कोर्ट के आदेश पर हुई कार्रवाई

यह मामला देवरिया की एसडीएम कोर्ट में चल रहा था। प्रशासन की निगरानी में कई बार जमीन की पैमाइश कराई गई, जिसमें साफ पाया गया कि मजार सरकारी जमीन पर बनी हुई है। इसके बाद एसडीएम कोर्ट ने जमीन को सरकारी बंजर भूमि घोषित करते हुए मजार को हटाने का आदेश दिया।

मजार कमेटी ने भी मानी गलती

मजार कमेटी ने भी कोर्ट के फैसले को स्वीकार कर लिया था। कमेटी के अध्यक्ष राशिद खान ने लिखित में प्रशासन को बताया कि मजार अवैध जमीन पर बनी है और इसे हटाने में वह पूरा सहयोग करेंगे।

तीन बुलडोजर और भारी पुलिस बल तैनात

रविवार को प्रशासन ने भारी पुलिस बल के साथ तीन बुलडोजर मौके पर भेजे। इसके बाद मजार को ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू की गई और पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई ताकि कोई अप्रिय स्थिति न बने।

विधायक ने उठाया था अवैध कब्जे का मुद्दा

यह मजार देवरिया-गोरखपुर रोड पर ओवरब्रिज के नीचे स्थित थी। सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने मजार और उसके आसपास की जमीन पर दरगाह कमेटी द्वारा अवैध कब्जे का मुद्दा उठाया था और इसकी शिकायत मुख्यमंत्री से की थी। शिकायत में कहा गया था कि यह जमीन सरकारी बंजर भूमि है, जिस पर अवैध रूप से मजार और कब्रिस्तान बना दिए गए हैं।

1993 में कराई गई थी फर्जी एंट्री

तहसीलदार की जांच में सामने आया कि 1993 में इस सरकारी जमीन को रिकॉर्ड में मजार और कब्रिस्तान के रूप में दर्ज कर दिया गया था। इसे फर्जी एंट्री माना गया। इसके बाद अपर जिला सरकारी वकील ने राजस्व कानून के तहत एसडीएम कोर्ट में वाद दायर किया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने फर्जी प्रविष्टि को रद्द कर जमीन को फिर से सरकारी खाते में दर्ज करने और मजार व कब्रिस्तान को हटाने का आदेश दिया।

प्रशासन की सख्त कार्रवाई

कोर्ट के आदेश के बाद प्रशासन ने बिना किसी रुकावट के कार्रवाई की और अवैध मजार को बुलडोजर से गिरा दिया। प्रशासन का कहना है कि आगे भी सरकारी जमीन पर किए गए सभी अवैध कब्जों पर इसी तरह कार्रवाई जारी रहेगी।

घूसखोर दरोगा ने जीरो टॉलरेंस की नीति को लगाया पलीता, नहीं मिली 90 हजार रुपये की रिश्वत तो 12 निर्दोष फंसा दिए?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर- उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने के बावजूद जमीनी स्तर पर कुछ पुलिसकर्मियों की कार्यशैली लगातार सवालों के घेरे में आ रही है। ताजा मामला कानपुर जिले के नरवल थाना क्षेत्र से सामने आया है, जहां एक दारोगा पर गंभीर भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग के आरोप लगे हैं।

12 निर्दोष लोगों को आरोपी बना दिया

नरवल थाने में तैनात दारोगा संदीप कुमार पर आरोप है कि उन्होंने दहेज उत्पीड़न के एक मामले में पीड़ित पक्ष से केस में राहत देने के बदले 90 हजार रुपये रिश्वत की मांग की। पीड़ित का आरोप है कि जब उसने इतनी बड़ी रकम देने में असमर्थता जताई, तो दारोगा ने बदले की भावना से कार्रवाई करते हुए जानबूझकर 12 निर्दोष लोगों को आरोपी बना दिया।

ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल

मामला उस समय तूल पकड़ गया जब दारोगा द्वारा रिश्वत मांगने से जुड़ा एक ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वायरल ऑडियो में कथित तौर पर दारोगा संदीप कुमार पैसों की मांग करते हुए साफ तौर पर सुने जा सकते हैं। ऑडियो सामने आने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया और मामले की जांच शुरू की गई।

दारोगा संदीप कुमार निलंबित

उच्च अधिकारियों ने वायरल ऑडियो का संज्ञान लेते हुए प्राथमिक जांच कराई, जिसमें प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए गए। इसके बाद पुलिस विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दारोगा संदीप कुमार को निलंबित कर दिया। साथ ही उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं और भ्रष्टाचार से जुड़े पहलुओं की भी गहराई से पड़ताल की जा रही है।

आरोपी के खिलाफ जांच शुरु

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी और यदि आरोप पूरी तरह साबित होते हैं तो आरोपी दारोगा के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस घटना के सामने आने के बाद आम लोगों के बीच पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी देखी जा रही है। यह मामला एक बार फिर यह सवाल खड़ा करता है कि जीरो टॉलरेंस की नीति के बावजूद भ्रष्टाचार पर पूरी तरह अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि विभागीय जांच के बाद दोषी पुलिसकर्मी के खिलाफ कितनी सख्त कार्रवाई होती है।

संक्षिप्त ख़बरें

ट्रंप प्लान का खुलासा: रिमोट कंट्रोल कॉलोनी बनेगा वेनेजुएला, मार्को रुबियो बनेंगे 'वायसरॉय'!

विदेश मामलों के विशेषज्ञ रॉबिंदर सचदेव ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि अमेरिका की योजना वेनेजुएला को एक तरह से 'रिमोट कंट्रोल कॉलोनी' बनाने की है, जहां सत्ता भले वेनेजुएला सरकार के पास दिखे, लेकिन असली नियंत्रण अमेरिका के हाथ में होगा। सचदेव ने कहा कि अमेरिका वेनेजुएला के तेल को वैश्विक बाजार में खुद बेचना चाहता है और इस पूरे सिस्टम की निगरानी अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो जैसे नेता करेंगे, जो एक तरह से 'वायसरॉय' की भूमिका निभाएंगे। अमेरिकी और यूरोपीय तेल कंपनियों को वहां निवेश के लिए दबाव डाला जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अगर कीमतें अनुकूल रहीं तो भारत के लिए वेनेजुएला का तेल एक व्यवहारिक विकल्प हो सकता है। खासतौर पर रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी जैसी भारतीय रिफाइनरियां वेनेजुएला के भारी कच्चे तेल (Heavy Crude) को प्रोसेस करने में सक्षम हैं, जिससे पेट्रोल, डीजल, नाफ्था और हीटिंग ऑयल जैसे कई उत्पाद निकाले जा सकते हैं। सचदेव के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ऊर्जा सचिव और आंतरिक मामलों के सचिव के जरिए तेल कंपनियों को यह भरोसा दिलाने की कोशिश कर रहा है कि वेनेजुएला में निवेश सुरक्षित और मुनाफे वाला होगा। हालांकि कई कंपनियां अभी हिचकिचा रही हैं, क्योंकि वहां तेल क्षेत्र को दोबारा खड़ा करने के लिए 60 से 200 अरब डॉलर तक के निवेश की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि तेल उद्योग लोकतांत्रिक या भू-राजनीतिक मूल्यों से नहीं, बल्कि मुनाफे और शेयरधारकों के लाभ से चलता है। यही वजह है कि ट्रंप वेनेजुएला को स्थिरता और भारी मुनाफे का सपना दिखाकर निवेश खींचने की कोशिश कर रहे हैं। शुक्रवार को ट्रंप ने व्हाइट हाउस में तेल और गैस कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात कर वेनेजुएला के ऊर्जा क्षेत्र में बड़े निवेश को लेकर कहा कि 'यहां से बहुत पैसा बनेगा।' विशेषज्ञों के अनुसार, यह पूरी रणनीति वेनेजुएला के संसाधनों पर लंबे समय तक अमेरिकी नियंत्रण की ओर इशारा करती है।

'जूते से... इतनी लात मरूंगा कि शक्ल नहीं पहचान पाओगे', SDM पर होमगार्डों ने लगाए गंभीर आरोप, कहा- जान से मारने..., जांच में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बहराइच- उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में होमगार्ड के तीन जवानों द्वारा एक उपजिलाधिकारी पर लगाए गए जातिसूचक अपशब्द कहने और उत्पीड़न करने के आरोप जांच में बेबुनियाद पाए गए हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। होमगार्ड के ये जवान महसी तहसील में उप जिलाधिकारी (एसडीएम) आलोक प्रसाद की सुरक्षा में तैनात थे। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी प्रसाद ने बुधवार को स्वयं पर लगाए गये आरोपों को निराधार बताते हुए कहा था कि एक दिव्यांग फरियादी के साथ असंवेदनशीलता बरतने पर उन्होंने होमगार्ड जवानों को सिर्फ फटकार लगाई थी। अपर जिलाधिकारी (एडीएम) अमित कुमार ने बृहस्पतिवार देर शाम एक बयान में बताया कि महसी तहसील में तैनात उप जिलाधिकारी आलोक प्रसाद पर बुधवार को होमगार्ड के तीन जवानों-राजाराम शुक्ला, रमाकान्त मिश्र और राम कुमार तिवारी ने ड्यूटी के दौरान जातिसूचक अपशब्द कहने, शारीरिक दंड दिलवाने और जान से मारने की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए इस संबंध में उच्च अधिकारियों को शिकायती पत्र भेजा था।

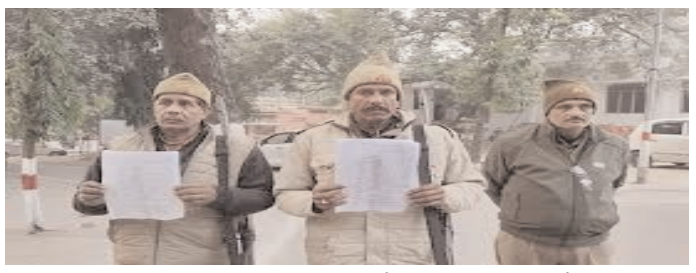

उन्होंने बताया कि मामले को संज्ञान में लेते हुए बृहस्पतिवार को जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के आदेश पर जांच कराई गई और जांच में संबंधित दिव्यांग व्यक्ति, तहसील कर्मचारियों तथा शिकायतकर्ता होमगार्ड जवानों के बयान दर्ज किये गये। एडीएम के अनुसार, जांच में शिकायतकर्ता अपने आरोपों के समर्थन में कोई ठोस तथ्य या प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सके और इस आधार पर शिकायत को निराधार पाया गया है।

कोयला, कैश और I-PAC: 2700 करोड़ के सिंडिकेट में ED की स्ट्राइक, लेकिन क्यों उड़ी ममता दीदी की नींद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल की सियासत में गुरुवार को नया खेला हो गया. ईडी ने जब तृणमूल कांग्रेस के लिए चुनावी बिसात बिछाने वाली कंपनी I-PAC (इंडियन पोलिटिकल एक्शन कमेटी) के दफ्तरों पर दस्तक दी, तो कोलकाता से लेकर दिल्ली तक खलबली मच गई. ममता बनर्जी की नींद उड़ गई है. वह गुस्से से लाल हैं और केंद्र सरकार पर हमले कर रही हैं. उधर, ईडी सूत्रों का कहना है कि एक कोयला घोटाले से I-PAC के कनेक्शन जुड़ रहे हैं, इसलिए छापेमारी की गई. इसका किसी राजनीतिक दल से कोई रिश्ता नहीं है. तो आखिर ऐसा क्या है कि एक कंपनी पर पड़े छापे ने दीदी की नींद उड़ा दी है? कोयला, कैश और I-PAC के पूरे सिंडिकेट को समझिए। ईडी सूत्रों के मुताबिक, कहानी शुरू होती है आसनसोल और रानीगंज की उन खदानों से, जो केंद्र सरकार की कंपनी ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के अधिकार क्षेत्र में आती हैं।

खेल क्या था?

सरकारी खदानों से रात के अंधेरे में हजारों टन कोयला खोदा गया और चोरी-छिपे बेच दिया गया. यह कोई छोटी-मोटी चोरी नहीं थी. श्रृष्ठ की जांच बताती है कि करीब 2,742.32 करोड़ का कोयला सरकारी तंत्र की नाक के नीचे से गायब कर दिया गया।

सिंडिकेट का 'गॉडफादर'

इस पूरे खेल का मास्टरमाइंड अनुप माजी उर्फ लाला था. लाला का नेटवर्क इतना तगड़ा था कि पुलिस, CISF, रेलवे और श्रृष्ठ के कुछ भ्रष्ट अधिकारी उसकी जेब में थे. 2000 से 2015 के बीच उस पर 16 एफआईआर हुईं, लेकिन उसका रसूख उसे हर बार बचाता रहा।

फिर I-PAC की एंट्री

अब तक यह मामला सिर्फ कोयला चोरी का था, लेकिन कहानी में ट्विस्ट तब आया जब ईडी ने मनी ट्रेल यानी पैसों के ट्रांजेक्शन का रास्ता खंगालना शुरू किया . जांच एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक, कोयला घोटाले से कमाए गए करोड़ों रुपये हवाला नेटवर्क के जरिए इधर-उधर किए गए. जांच में एक सिरा I-PAC और उसके निदेशकों की तरफ मुड़ता दिखा. आरोप है कि सिंडिकेट का पैसा कुछ शेल कंपनियों और ट्रांजेक्शन के जरिए I PAC तक पहुंचा. इसी सबूत की तलाश में ईडी ने दिल्ली और बंगाल में 10 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की।

ममता बनर्जी पर ईडी का सनसनीखेज आरोप: 'रेड में घुसकर ले गई सबूत'

मामले ने तब बेहद गंभीर मोड़ ले लिया जब ईडी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जांच में सीधे तौर पर बाधा डालने और सबूत मिटाने का बड़ा आरोप लगाया. एजेंसी का दावा है कि छापेमारी शांतिपूर्ण चल रही थी, लेकिन तभी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भारी पुलिस बल के साथ प्रतीक जैन के आवास और I-PAC के कार्यालय पहुंचीं. आरोप है कि उन्होंने वहां से जबरन अहम दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अपने कब्जे में ले लिए. ईडी ने इसे मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (PMLA) की कार्रवाई में गंभीर अवरोध और कानूनी प्रक्रिया का उल्लंघन बताया है. हालांकि, एजेंसी ने यह भी साफ किया कि यह रेड राजनीति से प्रेरित नहीं थी और न ही किसी पार्टी दफ्तर पर छापा मारा गया था, लेकिन मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप ने जांच को प्रभावित किया है।

मनरेगा को ख़त्म करने के फैसले को क़ानूनी चुनौती देगी कर्नाटक सरकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को खत्म करने और केंद्र सरकार द्वारा विकसित भारत - रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम लागू किए जाने के अपने विरोध को और आगे बढ़ाते हुए कर्नाटक सरकार इस फैसले को कानूनी रूप से चुनौती देने की संभावनाओं पर विचार करेगी. राज्य मंत्रिमंडल ने गुरुवार को न केवल कानूनी उपाय तलाशने का फैसला किया, बल्कि सत्ता के विकेंद्रीकरण का प्रावधान करने वाले संविधान के 73वें संशोधन को हुए 'नुकसान' को उजागर करने के लिए 'जनता की अदालत' में जाने का भी निर्णय लिया. कैबिनेट बैठक के बाद प्रेस वार्ता में विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने कहा, 'पंचायतों ने मनरेगा को खत्म करने के खिलाफ कानूनी उपाय अपनाने के लिए राज्य सरकार से संपर्क किया है. मंत्रिमंडल में विस्तृत विचार-विमर्श के बाद हमने महाधिवक्ता से यह पता लगाने को कहा है कि हाईकोर्ट या शीर्ष अदालत में जाने की कानूनी संभावनाएं क्या हैं. हम राजनीतिक और कानूनी - दोनों तरह की लड़ाई लड़ेंगे।'

पाटिल ने 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के बाद नए कानून के अधिनियमन पर सवाल उठाया और कहा कि केंद्र ने राज्यों से परामर्श किए बिना यह अधिनियम पारित किया है. उन्होंने कहा, 'इससे राज्यों पर वित्तीय बोझ भी बढ़ गया है. मनरेगा को खत्म करने से काम के अधिकार पर चोट पड़ी है और शक्तियों का केंद्रीकरण होगा. अब केंद्र यह तय करेगा कि किस गांव में किस तरह का काम किया जाएगा, जिससे पंचायतों की शक्तियां छीनी जाएंगी.' मंत्रिमंडल द्वारा पारित प्रस्ताव में कहा गया, 'सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है कि इस अधिनियम को स्वीकार नहीं किया जाएगा और इसे अदालत में चुनौती दी जाएगी।'

प्रस्ताव के अनुसार नया कानून भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत निहित काम के अधिकार का उल्लंघन करता है, संविधान द्वारा पंचायतों को प्रदत्त वैध अधिकारों को रौंदता है और 73वें तथा 74वें संवैधानिक संशोधनों की भावना के खिलाफ है. प्रस्ताव में आगे कहा गया, 'यह अधिनियम संघीय ढांचे को गंभीर रूप से प्रभावित करता है, क्योंकि न केवल राज्यों को परामर्श प्रक्रिया से पूरी तरह बाहर रखा गया है, बल्कि उनसे 40 प्रतिशत खर्च वहन करने की अपेक्षा भी की गई है, वह भी उन शर्तों पर जिन्हें केंद्र ने राज्यों को विश्वास में लिए बिना एकतरफा तय किया है.' पाटिल ने 'वीबी-जी राम जी' के प्रावधानों की आलोचना करते हुए कहा कि यह कानून इसके तहत पंजीकृत मजदूरों को ठेकेदारों के भरोसे छोड़ देता है. उन्होंने आरोप लगाया कि नया अधिनियम ठेकेदारों के हितों की रक्षा के लिए बनाया गया है. जहां मनरेगा के तहत स्थानीय ग्राम पंचायत के फैसलों के आधार पर लाभार्थियों को अपने आसपास रोजगार मिलता था, वहीं 'वीबी- जी राम जी' के तहत कई लोगों को काम की गारंटी नहीं होगी, क्योंकि अब केंद्र यह तय करेगा कि किन जिलों में काम कराया जाएगा।

दुनिया के लिए मुसीबत बन रहे हैं डोनाल्ड ट्रंप

डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता में आने के बाद अमेरिकी जनता से यूक्रेन युद्ध रुकवाने का वादा किया था। लेकिन नया साल शुरू होते ही उनके कदम दुनिया में शांति के बजाय तनाव और टकराव को बढ़ाते नजर आ रहे हैं। यूक्रेन युद्ध अभी खत्म भी नहीं हुआ कि मिडिल ईस्ट में आग भड़क चुकी है. इस बीच अब अमेरिका-रूस के बीच सीधा टकराव वैश्विक चिंता का कारण बन गया है. सवाल उठने लगा है कि क्या ट्रंप दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध की तरफ धकेल रहे हैं?हाल ही में अमेरिका ने उत्तरी अटलांटिक महासागर में रूसी झंडे वाले तेल टैंकर 'मरीनेरा' को जब्त कर लिया है. यह कार्रवाई अमेरिकी कोस्ट गार्ड और सेना के संयुक्त ऑपरेशन में की गई. अमेरिकी दावा है कि यह टैंकर प्रतिबंधों का उल्लंघन कर अवैध रूप से वेनेजुएला का तेल ले जा रहा था. यह वही टैंकर है जिसका पुराना नाम 'बेला-1' था और जिस पर 2024 में अमेरिका ने प्रतिबंध लगाए थे. बाद में इसका नाम बदलकर मरीनेरा कर दिया गया। आपको बता दें अमेरिकी साम्राज्यवाद, जिसे अक्सर सैन्य विस्तार, आर्थिक प्रभुत्व और सांस्कृतिक प्रभाव के मिश्रण के रूप में समझा जाता है, आज प्रत्यक्ष उपनिवेशवाद की जगह नीतिगत दबाव, वैश्विक संस्थाओं, तकनीकी व वित्तीय ताकत के जरिए संचालित होता है। भारत के संदर्भ में यह प्रश्न इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि भारत एक ओर उभरती महाशक्ति है, तो दूसरी ओर अपने ऐतिहासिक गुटनिरपेक्ष रुख और रणनीतिक स्वायत्तता पर गर्व करता है। बहरहाल, भारत और अमेरिका के रिश्ते इस वक्त ऐसी ढलान पर हैं जहां तनाव हर बीतते दिन के साथ गहराता जा रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत के खिलाफ तीखी बयानबाजी और टैरिफ बढ़ाने की धमकियां अब सिर्फ जुबानी नहीं रही। बात अब अमेरिकी संसद तक पहुंच गई। दरअसल अमेरिकी सीनेट में एक ऐसा कानून आने वाला है जो भारत के लिए काफी भारी पड़ सकता है। वो ऐसे कि अमेरिकी सीनेट में रूस पर प्रतिबंध अधिनियम 2025 लाने की तैयारी है। यह बिल अमेरिका के दो सीनेटर्स- लिंसे ग्राहम और रिचर्ड ब्लुमथन ने मिलकर तैयार किया है। जिसे व्हाइट हाउस की हरी झंडी मिल चुकी है। मकसद साफ है रूस की आर्थिक नसों को काटना। लेकिन इसकी चपेट में भारत भी आता दिखाई दे रहा है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से भारत ने रूस से जमकर सस्ता कच्चा तेल खरीदा है। लेकिन अब अमेरिका इसे बर्दाश्त करने के मूड में नहीं। इस नए बिल के तहत एक बेहद खतरनाक प्रावधान जोड़ा गया है। अगर रूस शांति वार्ता के लिए नहीं झुकता तो रूस से तेल, गैस या यूरेनियम खरीदने वाले देशों पर अमेरिका 500 प्रतिशत तक का टेरिफ लगा सकता है। भारत पर अमेरिका ने पहले ही रूसी तेल को लेकर अतिरिक्त टेरिफ लगाए हैं। दूसरी ओर, लंबे समय से चली आ रही प्रतिद्वंद्विता और व्यापारिक तनाव के बावजूद, ट्रंप प्रशासन ने चीन के साथ व्यवहार में सावधानी बरती है। इसका एक प्रमुख कारण दुर्लभ खनिजों, इलेक्ट्रिक वाहनों में प्रयुक्त महत्वपूर्ण घटकों, सेमीकंडक्टर, रक्षा उपकरणों और नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों पर बीजिंग का प्रभुत्व है। भले ही चीन रूसी तेल का दुनिया का सबसे बड़ा खरीदार बना हुआ है, लेकिन उस पर अतिरिक्त शुल्क नहीं लगाए गए हैं। इसके बजाय, राष्ट्रपति ट्रंप ने चीनी आयात पर नए शुल्क को स्थगित कर दिया, जिससे शुल्क 30 प्रतिशत पर बना रहा, जो भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए शुल्क से काफी कम है। इसके विपरीत, भारत के पास चीन जैसी रणनीतिक ताकत नहीं है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से नई दिल्ली रियायती दरों पर रूसी तेल का एक प्रमुख खरीदार बन गया है, लेकिन महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं पर चीन की तरह उसका कोई दबदबा नहीं है। ट्रंप ने भारत की व्यापार नीतियों पर बार-बार असंतोष जताया है और नई दिल्ली पर अमेरिकी वस्तुओं पर उच्च शुल्क और बाधाएं बनाए रखने का आरोप लगाया है। कुल 50 प्रतिशत के ये शुल्क भारत द्वारा रूसी तेल की भारी मात्रा में खरीद के कारण लगाए गए हैं, जिसे अमेरिका यूक्रेन संघर्ष के बीच रूस की अर्थव्यवस्था को समर्थन देने वाला मानता है। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि रूस से तेल खरीदने पर भारत पर लगाए गए उच्च शुल्क को लेकर प्रधानमंत्री मोदी नाखुश हैं। हाउस ऑफ रिपब्लिकन पार्टी के सदस्यों की बैठक में ट्रंप ने कहा कि हालांकि संबंध सौहार्दपूर्ण बने हुए हैं, लेकिन शुल्क के मुद्दे ने तनाव पैदा कर दिया है। कहना न होगा कि अमेरिकी साम्राज्यवाद का स्वरूप अक्सर 'नियम-निर्माण' के माध्यम से दिखाई देता है, जिनमें व्यापार शर्तें, बौद्धिक संपदा अधिकार, डिजिटल शासन, और वित्तीय संस्थानों में प्रभाव शामिल हैं। भारत पर कभी-कभी व्यापार घाटे, डेटा स्थानीयकरण, दवा पेटेंट या मानवाधिकार जैसे मुद्दों पर दबाव देखा गया है। प्रतिबंधों की राजनीति और डॉलर आधारित वित्तीय व्यवस्था भी विकासशील देशों की नीतिगत स्वतंत्रता को सीमित कर सकती है। सांस्कृतिक स्तर पर भी अमेरिकी प्रभाव, हॉलीवुड, उपभोक्तावाद, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म-भारतीय समाज में आकांक्षाओं और जीवनशैली को प्रभावित करता है। यह प्रभाव अपने साथ अवसर और जोखिम दोनों लाता है- नवाचार, अभिव्यक्ति और वैश्विक जुड़ाव के अवसर, पर साथ ही स्थानीय भाषाओं, कलाओं और श्रम-संरचनाओं पर दबाव भी। ऐसे में, भारत की चुनौती यहां संतुलन साधने की है। एक ओर चीन जैसी आक्रामक शक्ति के बीच अमेरिका के साथ रणनीतिक सहयोग भारत की सुरक्षा चिंताओं के लिए उपयोगी है। दूसरी ओर, किसी एक शक्ति ध्रुव पर अत्यधिक निर्भरता भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को कमजोर कर सकती है। इसलिए भारत बहुध्रुवीय विश्व का समर्थक रहा है, जहां अमेरिका, यूरोप, रूस, एशिया और वैश्विक दक्षिण सभी की भूमिका हो। नीति-निर्माण में आत्मनिर्भरता, विनिर्माण क्षमता, तकनीकी नवाचार और दक्षिण-दक्षिण सहयोग जैसे कदम अमेरिकी प्रभुत्व के संभावित नकारात्मक प्रभावों को संतुलित कर सकते हैं। साथ ही, लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन और मानवाधिकारों पर भारत का अपना दृष्टिकोण होना चाहिए। बदलते वैश्विक माहौल में अमेरिका खुद दुनिया के सामने मुसीबत के बीज बो रहा है और डोनाल्ड ट्रम्प इस सारे विवाद को जन्म दे रहे हैं।

मनोज कुमार अग्रवाल

सत्य का अंतिम सत्य संकल्प,साहस, श्रम और सफलता

सत्य का अंतिम रूप साहस, श्रम और सफलता से होकर गुजरता है और यह बात पूर्णतः सही है कि सत्य परेशान किया जा सकता है पराजित नहीं, क्योंकि यदि सत्य और सच्चाई न होती तो मानव जीवन का अस्तित्व ही संभव न होता; पहाड़, झरने, नदियाँ, जंगल, पृथ्वी और प्रकृति के संतुलन से लेकर मनुष्य और अन्य जीवों तक सब कुछ प्राकृतिक सत्य की ही उपज है, परंतु यह भी उतना ही सच है कि मनुष्य अपने लालच, इच्छाओं, महत्वाकांक्षाओं और स्वार्थ के कारण त्वरित लाभ पाने के लिए झूठ, छल और दिखावे का सहारा लेकर जीवन की गहराइयों में उतर जाता है, जबकि अंततः सत्य ही अंतिम विजय प्राप्त करता है, किंतु आज की परिस्थितियों में सच्चाई जीवन के लगभग हर क्षेत्र से दूर होती जा रही है और जब हम स्वयं भ्रम में जी रहे हैं तो आने वाली पीढ़ी को हम कौन से नैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्य सौंप पाएंगे, यह एक गंभीर प्रश्न बन गया है; आज के उत्तर आधुनिक समाज में उपभोक्तावादी सोच इतनी हावी हो चुकी है कि भौतिक साधनों और सुखों की प्राप्ति ही जीवन का एकमात्र लक्ष्य मान ली गई है, जिसके लिए झूठ, फरेब और साजिशें सामान्य व्यवहार बनती जा रही हैं, जबकि प्राचीन समय में समाज आत्मिक, सांस्कृतिक और मानवीय मूल्यों पर आधारित था, पर विकास की बदली हुई परिभाषा ने समाज को इस मोड़ पर ला खड़ा किया है जहाँ भौतिकता सर्वोपरि हो गई है और इसके परिणामस्वरूप आपसी रिश्तों की गर्माहट, भरोसा और संवेदनशीलता तेजी से समाप्त होती जा रही है; आज स्थिति यह है कि सत्य बोलना एक सामान्य आचरण न होकर कठिन साधना जैसा हो गया है, जबकि महात्मा गांधी ने अपने जीवन और विचारों में सत्य और अहिंसा को ही सामाजिक और नैतिक उत्थान का आधार माना था और उनका विश्वास था कि यदि व्यक्ति सत्य के प्रति निष्ठावान हो जाए तो समाज अपने आप ऊँचे स्तर तक पहुँच सकता है, क्योंकि सत्य और संयम व्यक्ति को आत्मबल, स्वाभिमान और आत्मसम्मान प्रदान करते हैं, वहीं असत्य मनुष्य को भीतर से कमजोर और अपराधबोध से ग्रस्त करता है; कबीरदास जैसे संतों ने भी सत्य को ईश्वर के समान माना और समाज को झूठ से दूर रहने की सीख दी, क्योंकि झूठ केवल व्यक्ति को ही नहीं बल्कि पूरे समाज को विकृत करता है और यही कारण है कि असत्य को सभी बुराइयों की जड़ माना गया है, आज भौतिक सुखों की अंधी दौड़ में पारिवारिक और सामाजिक रिश्ते केवल औपचारिक बनकर रह गए हैं और मनुष्य अपनी सुविधा और सफलता के लिए बिना संकोच झूठ का सहारा ले रहा है, जिससे सामाजिक व्यवहार में असंवेदनशीलता और अविश्वास बढ़ता जा रहा है; नैतिकता और अनैतिकता के बीच की महीन रेखा को पहचानने की क्षमता कमजोर पड़ती जा रही है और मनुष्य किसी भी साधन को सही ठहराने लगा है यदि उससे उसे लाभ मिलता हो, परिणामस्वरूप समाज में असंतुलन, विघटन और संबंधों का क्षय साफ दिखाई देता है; इतिहास भी गवाह है कि जब-जब समाज ने सत्य और नैतिकता से दूरी बनाई है तब-तब पतन की प्रक्रिया तेज हुई है, आज जब भौतिक संपन्नता को ही सफलता का मापदंड बना लिया गया है तब मानवीय संबंध, संवेदनाएं और सामाजिक जिम्मेदारियाँ पीछे छूटती जा रही हैं और नैतिक मूल्यों की परंपरा लगभग समाप्ति की ओर है, ऐसे समय में यदि सत्य, संयम और ईमानदारी को जीवन का आधार नहीं बनाया गया तो भारतीय समाज भी धीरे-धीरे उस दिशा में बढ़ जाएगा जहाँ रिश्ते, संवेदना और मानवीय गरिमा केवल शब्दों तक सीमित रह जाते हैं, और तब हम केवल पछतावे के सिवा कुछ नहीं कर पाएंगे; आज नैतिकता दूसरों को उपदेश देने की वस्तु बन चुकी है जबकि स्वयं के आचरण में उसका अभाव दिखाई देता है, मनुष्य जो स्वयं सामाजिक व्यवस्था का निर्माता है वही अब लोभ, आलस्य और संग्रह की प्रवृत्ति में फँसकर कम मेहनत में अधिक लाभ पाने के लिए झूठ और धोखे को सामान्य मानने लगा है, जो भारतीय सामाजिक ढाँचे के लिए शुभ संकेत नहीं है और यदि समय रहते सत्य आधारित जीवन दृष्टि को नहीं अपनाया गया तो सामाजिक और मानवीय मूल्यों का क्षरण और तेज होता चला जाएगा।

संजीव ठाकुर

देवनागरी से डिजिटल मस्तिष्क तक: हिंदी की सभ्यतागत यात्रा

[एआई को मानवीय बनाने की भाषाः हिंदी का वैश्विक दायित्व]

[विश्व मंच पर भारत की आवाज़: हिंदी, एआई और मानवीय मूल्य]

जब कोई भाषा युगों की चेतना को समेटे हुए भविष्य की तकनीक से संवाद करने लगे, तब वह केवल संप्रेषण का साधन नहीं रहती, बल्कि राष्ट्र की आत्मा और दिशा बन जाती है। विश्व हिंदी दिवस 2026 इसी ऐतिहासिक परिवर्तन का सशक्त प्रतीक है। 10 जनवरी को मनाया जाने वाला यह दिवस केवल हिंदी के गौरवगान तक सीमित नहीं, बल्कि उसकी निरंतर विकसित होती वैश्विक भूमिका का उद्घोष है। इस वर्ष की थीम 'हिंदीः पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक ', यह स्पष्ट करती है कि हिंदी अतीत की धरोहर और भविष्य की तकनीक के बीच सेतु बनकर खड़ी है। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि हिंदी केवल स्मृति नहीं, बल्कि संभावना है। विश्व हिंदी दिवस की पृष्ठभूमि हिंदी की वैश्विक यात्रा की गाथा है। 10 जनवरी 1975 को नागपुर में आयोजित प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन ने हिंदी को अंतरराष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में स्थापित किया। वर्ष 2006 में इसे आधिकारिक रूप से विश्व हिंदी दिवस घोषित किया गया। आज हिंदी विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है, जिसे 60 करोड़ से अधिक लोग मातृभाषा के रूप में बोलते हैं और करोड़ों इसे समझते हैं। संयुक्त राष्ट्र में हिंदी को आधिकारिक भाषा का दर्जा दिलाने के प्रयास इस बात का प्रमाण हैं कि हिंदी अब केवल जनभाषा नहीं, बल्कि वैश्विक संवाद की सशक्त दावेदार बन चुकी है। हिंदी की सबसे बड़ी शक्ति उसका पारंपरिक ज्ञान है। वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, पुराण, आयुर्वेद और योग जैसे ग्रंथ मानव सभ्यता को जीवन दर्शन, नैतिकता और संतुलन का मार्ग दिखाते हैं। यह ज्ञान केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि वैज्ञानिक और व्यावहारिक भी है। आयुर्वेद की औषधियाँ आधुनिक चिकित्सा में स्थान बना रही हैं और योग को वैश्विक स्वास्थ्य आंदोलन के रूप में स्वीकार किया गया है। यह समस्त ज्ञान हिंदी के माध्यम से जन-जन तक पहुँचा और आज भी प्रासंगिक बना हुआ है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में हिंदी की भूमिका ऐतिहासिक मोड़ पर है। भारत एआई मिशन के अंतर्गत हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में स्वदेशी बड़े भाषा मॉडल विकसित किए जा रहे हैं। इनका उद्देश्य केवल तकनीकी उन्नति नहीं, बल्कि भारतीय संदर्भों, मूल्यों और सांस्कृतिक संवेदनाओं के अनुरूप एआई का निर्माण है। हिंदी में एआई शिक्षा को व्यक्तिगत, कृषि को वैज्ञानिक और स्वास्थ्य को समग्र बना रही है। प्राचीन ग्रंथों का डिजिटल अनुवाद और विश्लेषण अब तकनीक के माध्यम से संभव हो रहा है। वर्ष 2026 में भारत द्वारा आयोजित भारत एआई इम्पैक्ट समिट हिंदी की तकनीकी क्षमता को वैश्विक मंच प्रदान करता है। इस सम्मेलन में भारतीय भाषाओं, विशेषकर हिंदी, में जिम्मेदार और नैतिक एआई पर विशेष जोर दिया गया है। देवनागरी लिपि की ध्वन्यात्मक संरचना एआई के लिए अत्यंत उपयुक्त है। भारतीय स्टार्टअप्स हिंदी आधारित चैटबॉट, वॉइस असिस्टेंट और ज्ञान मंच विकसित कर रहे हैं। इसरो के गगनयान मिशन में हिंदी संवाद यह सिद्ध करता है कि अंतरिक्ष जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में भी हिंदी अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है। हिंदी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का यह संगम केवल तकनीकी प्रयोग नहीं, बल्कि सांस्कृतिक उत्तरदायित्व है। यदि एआई को केवल विदेशी भाषाओं और संदर्भों में प्रशिक्षित किया जाए, तो वह स्थानीय संवेदनाओं से कट सकता है। हिंदी आधारित एआई भारतीय समाज की विविधता, नैतिकता और मानवीय मूल्यों को बेहतर ढंग से समझ सकता है। यह एआई न केवल सूचना देगा, बल्कि विवेकपूर्ण और संवेदनशील निर्णयों में सहायक बनेगा। यही कारण है कि हिंदी एआई का विकास भविष्य की अनिवार्यता बन चुका है। हालाँकि हिंदी के समक्ष चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हिंदी सामग्री की कमी, अंग्रेजी-प्रधान एआई मॉडल और डिजिटल साक्षरता का अभाव प्रमुख बाधाएँ हैं। अनुवाद में त्रुटियाँ और तकनीकी संसाधनों तक सीमित पहुँच भी चिंता का विषय हैं। फिर भी 2026 आशा और अवसरों का वर्ष है। वैश्विक तकनीकी कंपनियाँ हिंदी वॉइस टेक्नोलॉजी में निवेश बढ़ा रही हैं और भारतीय प्रयास स्थानीय भाषाओं को केंद्र में ला रहे हैं। यदि संस्कृत और हिंदी ग्रंथों को एआई प्रशिक्षण डेटा बनाया जाए, तो हिंदी वैश्विक एआई में अग्रणी बन सकती है। हिंदी की समावेशी प्रकृति उसे भारत की राष्ट्रीय एकता का आधार बनाती है। यह 22 अनुसूचित भाषाओं को जोड़ने वाली सेतु है और इसमें संस्कृत, फारसी, अरबी सहित अनेक भाषाओं का प्रभाव समाहित है। यही विविधता इसे वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य बनाती है। प्रवासी भारतीयों के लिए हिंदी सांस्कृतिक स्मृति और पहचान का माध्यम है। अब एआई के माध्यम से हिंदी सीमाओं से परे जाकर भारतीय ज्ञान और मूल्यों को विश्व तक पहुँचा रही है। भविष्य की दृष्टि से हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनने की क्षमता रखती है। शिक्षा में हिंदी-एआई पाठ्यक्रम, विश्वविद्यालयों में पारंपरिक ज्ञान आधारित तकनीकी अध्ययन और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी प्रस्तुतियाँ इसे नई ऊँचाइयों तक ले जाएँगी। विश्व हिंदी दिवस को यदि एआई और भाषा के वैश्विक संवाद का मंच बनाया जाए, तो हिंदी नवाचार और मानवीय मूल्यों का केंद्र बन सकती है। अंतरिक्ष से लेकर डिजिटल संसार तक, प्रयोगशालाओं से लेकर कक्षाओं तक, हिंदी की उपस्थिति भारत की वैश्विक नेतृत्व क्षमता को सुदृढ़ कर रही है। गगनयान जैसे मिशनों में हिंदी संचार बढ़ना यह संकेत देता है कि भविष्य की तकनीक भारतीय भाषाओं के साथ आगे बढ़ेगी। हिंदी का यह तकनीकी विस्तार भारत को केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि नवाचार का नेतृत्वकर्ता बनाएगा। विश्व हिंदी दिवस 2026 केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि हिंदी के वर्तमान और भविष्य को दिशा देने वाला एक गहन वैचारिक संकल्प है। यह संकल्प इस विश्वास पर आधारित है कि हिंदी अपनी सांस्कृतिक जड़ों, नैतिक मूल्यों और ज्ञान परंपरा को सुदृढ़ रखते हुए आधुनिक विज्ञान और उभरती तकनीकों का नेतृत्व कर सकती है। 'हिंदीः पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक' की थीम यह स्पष्ट करती है कि सच्ची प्रगति वही है जिसमें तकनीकी नवाचार मानवीय संवेदना, विवेक और करुणा से जुड़ा हो। इस 10 जनवरी को हम सामूहिक रूप से यह प्रण लें कि हिंदी को केवल संवाद की नहीं, बल्कि नवाचार, मानवीय मूल्यों और वैश्विक समझ की सशक्त भाषा बनाएँ। यही हिंदी की वास्तविक शक्ति, पहचान और विजय है – जय हिंदी।

प्रो. आरके जैन

संपादकीय

स्वामी विवेकानंद केविचारों की वह अग्नि जो भारत को अतीत से भविष्य तक जोड़ती है

भारत की आत्मा को यदि किसी एक व्यक्तित्व में समझना हो, तो स्वामी विवेकानंद का नाम सबसे पहले सामने आता है। विश्वकवि रवीन्द्रनाथ टैगोर का यह कथन कि यदि आप भारत को जानना चाहते हैं तो विवेकानंद को पढ़िए केवल प्रशंसा नहीं बल्कि एक ऐतिहासिक सत्य है। वहीं रोमां रोलां ने उन्हें ऐसा व्यक्तित्व बताया, जिनका द्वितीय होना असंभव है। इन दोनों महान चिंतकों की यह धारणा यूं ही नहीं बनी। स्वामी विवेकानंद ने न केवल भारत की आध्यात्मिक चेतना को विश्व पटल पर प्रतिष्ठित किया, बल्कि गुलामी से जूझ रहे भारत को आत्मविश्वास, स्वाभिमान और कर्मशीलता का नया दर्शन दिया। स्वामी विवेकानंद केवल एक संन्यासी नहीं थे। वे एक ऐसे विचारक थे जिनमें संत की करुणा, योद्धा का साहस, दार्शनिक की गहराई और राष्ट्रनिर्माता की दूरदृष्टि एक साथ विद्यमान थी। उनका जीवन स्वयं एक संदेश था कि आध्यात्मिकता पलायन नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के उत्थान का सबसे सशक्त माध्यम हो सकती है। उन्होंने भारत को उसकी जड़ों से जोड़ा और साथ ही उसे आधुनिक विश्व से संवाद करने का साहस दिया। नरेन्द्रनाथ दत्त के जीवन में आए संघर्षों ने उनके विचारों को और भी धार दी। पिता की असमय मृत्यु के बाद आर्थिक संकट ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया। उसी दौर में रामकृष्ण परमहंस से उनका मिलन हुआ, जो उनके जीवन की दिशा तय करने वाला क्षण बना। मां काली से धन की याचना करने के बजाय ज्ञान और भक्ति की आकांक्षा ने यह स्पष्ट कर दिया कि नरेन्द्र का मार्ग सामान्य नहीं होगा। यहीं से सांसारिक मोह से ऊपर उठकर मानवता की सेवा का बीज उनके भीतर अंकुरित हुआ। रामकृष्ण परमहंस के सान्निध्य में उन्हें यह बोध हुआ कि ईश्वर केवल मंदिरों में नहीं, बल्कि भूखे, पीड़ित और शोषित मनुष्य में बसता है। यही विचार आगे चलकर स्वामी विवेकानंद के सामाजिक दर्शन की आधारशिला बना। गुरु के महाप्रयाण के बाद उनका भारत भ्रमण केवल यात्रा नहीं, बल्कि राष्ट्र की नब्ज़ टटोलने की प्रक्रिया थी। देश में फैली गरीबी, अज्ञान और सामाजिक विषमता ने उन्हें विचलित किया, लेकिन निराश नहीं। उन्होंने समझ लिया कि भारत की समस्या का समाधान भी भारत की आत्मा में ही छिपा है। कन्याकुमारी के सागर तट पर ध्यान के दौरान उन्हें यह स्पष्ट हुआ कि नए भारत का निर्माण आत्मगौरव, शिक्षा और सेवा के बिना संभव नहीं है। यही चेतना उन्हें शिकागो की विश्व धर्म संसद तक ले गई। मात्र तीस वर्ष की आयु में दिए गए उनके भाषण ने पूरी दुनिया को चकित कर दिया। सिस्टर्स एंड ब्रदर्स ऑफ अमेरिका के संबोधन के साथ जो तालियां बजीं, वे केवल एक वक्ता के लिए नहीं, बल्कि भारत की आत्मा के सम्मान में थीं। उस भाषण ने यह स्थापित कर दिया कि भारत भले ही आर्थिक रूप से पिछड़ा हो, लेकिन आध्यात्मिक दृष्टि से वह विश्व का मार्गदर्शक रहा है। शिकागो के मंच से स्वामी विवेकानंद ने वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को वैश्विक चेतना में रूपांतरित किया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कट्टरता, संकीर्णता और हिंसा की आलोचना की और सहिष्णुता, संवाद तथा करुणा को मानवता का आधार बताया।

यह वही भारत था, जिसे औपनिवेशिक ताकतें पिछड़ा और रहस्यमय बताती थीं, लेकिन विवेकानंद ने उसे ज्ञान, विवेक और सार्वभौमिकता का प्रतीक बना दिया। धर्म संसद के बाद स्वामी विवेकानंद विश्व प्रसिद्ध हो गए, लेकिन उन्होंने इस प्रसिद्धि को कभी व्यक्तिगत गौरव नहीं बनने दिया। भारत लौटकर उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की, जो उनके विचारों का संस्थागत रूप था। यह मिशन संन्यास और सेवा का अद्भुत संगम बना। अस्पताल, विद्यालय, महाविद्यालय और राहत कार्यों के माध्यम से मिशन ने यह सिद्ध किया कि आध्यात्मिकता का वास्तविक अर्थ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है। स्वामी विवेकानंद का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने भारतीय युवाओं को हीन भावना से बाहर निकाला। उनका आह्वान,उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत। आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने युवाओं को बताया कि शक्ति, आत्मविश्वास और चरित्र निर्माण के बिना न तो व्यक्ति आगे बढ़ सकता है और न ही राष्ट्र। यही कारण है कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान गांधी, सुभाष, अरविंद जैसे नेताओं पर विवेकानंद के विचारों की स्पष्ट छाया दिखाई देती है। यदि पुरानी और नई विचारधारा के अंतर को समझें, तो स्वामी विवेकानंद इस सेतु के रूप में दिखाई देते हैं। पुरानी विचारधारा में आध्यात्मिकता अक्सर संन्यास, वैराग्य और संसार-त्याग से जुड़ी थी। नई विचारधारा में भौतिक प्रगति, विज्ञान और व्यक्तिगत सफलता पर जोर है। विवेकानंद ने इन दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता जीवन से पलायन नहीं, बल्कि जीवन को सशक्त बनाने का माध्यम है। वहीं आधुनिकता अंधी न हो, बल्कि मूल्यों से जुड़ी हो। पुरानी सोच में जाति, रूढ़ि और कर्मकांड का बोलबाला था, जबकि नई सोच कई बार परंपरा से कट जाने का जोखिम उठाती है। विवेकानंद ने परंपरा की आत्मा को बचाते हुए रूढ़ियों को तोड़ा। उन्होंने कर्मकांड के बजाय कर्म को महत्व दिया और जाति के बजाय मानवता को। आज के उपभोक्तावादी युग में, जहां सफलता को केवल धन और पद से मापा जाता है, विवेकानंद हमें याद दिलाते हैं कि सच्ची सफलता चरित्र, सेवा और संवेदना में निहित है। चार जुलाई 1902 को मात्र उन्तालीस वर्ष की आयु में स्वामी विवेकानंद का देहावसान हो गया, लेकिन उनका विचारकाल अनंत है। उनका जीवन यह प्रमाण है कि अल्पायु में भी महाकालिक प्रभाव छोड़ा जा सकता है। वे केवल अपने समय के नहीं थे, बल्कि हर उस युग के हैं, जहां मनुष्य आत्मविश्वास खोता है और राष्ट्र दिशा भटकता है। आज जब भारत विश्व मंच पर नई भूमिका निभा रहा है, तब विवेकानंद के विचार पहले से अधिक प्रासंगिक हो उठते हैं। आत्मनिर्भरता, वैश्विक बंधुत्व और युवा शक्ति का जो सपना वे देख गए थे, वह आज भी हमारे सामने लक्ष्य की तरह खड़ा है। स्वामी विवेकानंद केवल इतिहास के पन्नों में कैद संत नहीं, बल्कि विचारों की वह ज्वाला हैं, जो भारत को अतीत की जड़ों से जोड़ते हुए भविष्य की ओर निरंतर अग्रसर करती रहती है।

कांतिलाल मांडोत

अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से दूरीः अमेरिका की नई रणनीति क्यों?

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात जिस वैश्विक व्यवस्था का निर्माण हुआ, उसका उद्देश्य था,युद्ध की पुनरावृत्ति रोकना, सहयोग को बढ़ावा देना और शक्ति-संतुलन स्थापित करना। संयुक्त राष्ट्र (यूएन), विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), यूनेस्को, विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) तथा पेरिस जलवायु समझौते जैसी बहुपक्षीय संस्थाएँ इसी सोच की उपज थीं। इन संस्थाओं के गठन, वित्तपोषण और नीति-निर्धारण में अमेरिका की केंद्रीय भूमिका रही। इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में दृश्य उलट चुका है। अमेरिका ने कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं दूरी बनाना शुरू कर दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में अमेरिका ने 31 यूएन एजेंसियों और 35 गैर-यूएन अंतरराष्ट्रीय संगठनों एवं संधियों से बाहर निकलने का निर्णय लेते हुए इन संस्थाओं को अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक हितों और संप्रभुता के लिए 'खतरा' बताया गया। यह केवल किसी एक राष्ट्रपति की सनक नहीं, बल्कि अमेरिकी राजनीति में आए संरचनात्मक परिवर्तन और वैश्विक प्रभुत्व बनाए रखने की रणनीति का संकेत है। शीत युद्ध के बाद उभरी एकध्रुवीय व्यवस्था अब इतिहास बन चुकी है। चीन का आर्थिक और तकनीकी उभार, भारत का वैश्विक आर्थिक मंच पर सशक्त होना, रूस की सैन्य पुनर्सक्रियता, ब्रिक्स समूह का विस्तार तथा वैश्विक दक्षिण की बढ़ती मुखरता ने शक्ति-संतुलन को बदल दिया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा, डब्ल्यूटीओ या जलवायु सम्मेलनों जैसे मंचों पर अब निर्णय केवल किसी शक्तिशाली देश की इच्छा से नहीं होते अपितु बहुमत से होते है।इसी व्यवस्था में अमेरिका को कई बार अल्पमत में रहना पड़ा है। ट्रम्प प्रशासन ने इसी कारण बहुपक्षवाद को 'बोझिल', 'अप्रभावी' और 'अमेरिकी हितों के विरुद्ध' करार दिया। वस्तुतः यह उस असहजता की अभिव्यक्ति है, जहाँ अमेरिका अब नियम तय करने वाला अकेला शक्ति-केंद्र नहीं रहा। अमेरिका स्वयं को 'नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था' का सबसे बड़ा पैरोकार बताता है, किंतु व्यवहार में वह नियमों का पालनकर्ता नहीं, बल्कि नियम-निर्धारक बनना पसंद करता है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पत्नी सहित अगुवा करने की धमकी, ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने की इच्छा, चीन और भारत सहित अनेक देशों पर एकतरफा टैरिफ लगाने जैसे कदम अंतरराष्ट्रीय कानून और संस्थागत प्रक्रियाओं की अनदेखी के उदाहरण हैं।इसके विपरीत, अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ समान नियमों की वकालत करती हैं, फिर चाहे वह पेरिस समझौते के तहत जलवायु उत्सर्जन की जिम्मेदारी हो, यूएन मानवाधिकार परिषद के मानवाधिकार मानक हों या जिनेवा संधियों के युद्ध नियम। जैसे ही ये मानक अमेरिका या उसके रणनीतिक सहयोगियों (जैसे इजरायल) पर लागू होते हैं,तब ऐसी संस्थाओं को 'पक्षपाती' और 'अमेरिका-विरोधी' घोषित कर दिया जाता है। अमेरिका का 2017 में पेरिस जलवायु समझौते से हटना और 2018 में यूएन मानवाधिकार परिषद से बाहर निकलना इसी मानसिकता के स्पष्ट उदाहरण हैं। अमेरिकी नव-राष्ट्रवाद ने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को 'संप्रभुता-भक्षक' के रूप में प्रस्तुत किया है वहीं 'अमेरिका फर्स्ट' का नारा घरेलू राजनीति में व्यापक जनसमर्थन जुटाने का साधन बना। शायद इसी कारण बहुपक्षीय प्रतिबद्धताओं को घरेलू समस्याओं जैसे रोजगार, कर और सुरक्षा आदि के लिए जिम्मेदार ठहराया गया। परिणामस्वरूप, वैश्विक सहयोग की जगह संकीर्ण राष्ट्रहित को प्राथमिकता दी गई। वास्तव में अमेरिका की यह नीति संस्थाओं की कमजोरी से अधिक उसकी बदली हुई वैश्विक स्थिति की स्वीकारोक्ति है। बहुध्रुवीय विश्व में नियमों के अधीन रहना अमेरिका को स्वीकार नहीं क्योंकि उससे अमेरिकी हितों की पूर्ति नहीं होती, विस्तार वादी नीति को समर्थन नहीं मिलता, दूसरे देशों के संसाधनों को हड़पने का मौका नहीं मिलता। प्रश्न यह नहीं कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ अप्रासंगिक हो गई हैं, बल्कि यह है कि क्या विश्व एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रहा है जहाँ 'संस्थागत सहयोग' के स्थान पर 'शक्ति का एकतरफा प्रदर्शन' ही नई वैश्विक नीति बनेगा।

डा.मनमोहन प्रकाश

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

किसान के घर में घुसकर चाकुओं से हमला करने वाले दो अभियुक्त गिरफ्तार भेजे गए जेल

महराजगंज, रायबरेली। क्षेत्र के हिलहा गांव में घर में घुसकर किसान पर हुए हमले के मामले में कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। घायल किसान की पत्नी ने गांव के ही बृजेश कुमार पाण्डेय व उनके बेटे अनुज व अभिषेक पाण्डेय समेत दो अज्ञात लोगों के खिलाफ लिखित तहरीर देते हुए कार्यवाही की मांग की थी। शुक्रवार सुबह कोतवाली पुलिस को मुखबिर की सूचना के आधार पर पता चला कि घटना के दो आरोपी लालगंज गांव के पास खड़े हैं। मुखबिर की सूचना के आधार पर उपनिरीक्षक त्रियुगीनारायण तिवारी, उपनिरीक्षक रोहित व हमराही पिंटू यादव, कांस्टेबल गौरव कुमार की टीम ने पहुंच कर। दो अभियुक्त बृजेश कुमार पाण्डेय व उनके बेटे अनुज कुमार पाण्डेय को गिरफ्तार कर लिया है। कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों को नियमानुसार जेल भेजा गया है। अन्य की भी तलाश जारी है।

भारतीय किसान यूनियन मे शुभम रस्तोगी को मिली नई जिम्मेदारी

बिसवां सीतापुर किसानो की समस्याओ के लिए संघर्ष रत भारतीय किसान यूनियन राकेश टिकैत गुट की महत्वपूर्ण बैठक ब्लाक मुख्यालय सकरन मे सम्पन्न हुई।बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मयंक सिंह चौहान ने की। इस मौके पर किसान यूनियन राकेश टिकैत गुट ने शुभम रस्तोगी निवासी महाराज नगर को जिला मीडिया प्रभारी का दायित्व सौपा गया। बैठक मे उपस्थित किसानो को सम्बोधित करते हुए जिला अध्यक्ष मयंक सिंह चौहान ने कहा किसान पूरे देश का अनाज देता है।लेकिन सरकारे किसानो को समय पर खाद बीज नही उपलब्ध करा पा रही किसानो को अपनी उपज का सही मूल्य नही मिल पाता जिससे किसान हमेशा समस्याओ से घिरा रहता है। मंडी मे किसानो का शोषण किया जाता वर्तमान समय मे महीनों किसानो को धान की फसल बेचने के लिए मंडी मे अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है वही दलाल किसानो की फसल को सस्ते मे खरीद लेते है उनका धान मंडी मे तत्काल तौल लिया जाता है। किसानो को एकजुट कर सड़को पर आना होगा। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष डॉ सतीश यादव, वीरेंद्र वर्मा, पंकज वर्मा, प्रमोद वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष सुशील राज, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मुर्तजा अली अंसारी, रिशु भार्गव आदि लोग उपस्थित रहे।

क्रिकेट टूर्नामेंट में तीसरे दिन निगोहां बाजार व गढ़ी टीमों ने दर्ज की जीत

लखनऊ। निगोहां कस्बे के एसएनटी मैदान में आयोजित ग्राम सभा क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे दिन शुक्रवार को दर्शकों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। दिन का पहला मैच निगोहां बाजार और उदयपुर टीम के बीच खेला गया। टॉस जीतकर उदयपुर टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 91 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में निगोहां बाजार टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 11.2 ओवर में 6 विकेट से लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज की। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए निगोहां बाजार टीम के खिलाड़ी ऋषभ सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया।दूसरा मैच कनकहा और गढ़ी टीमों के बीच खेला गया। टॉस जीतकर कनकहा टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर मेंड 102 रन का मजबूत लक्ष्य खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गढ़ी टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए मात्र 9.3 ओवर में ही जीत दर्ज कर ली। शानदार खेल के लिए गढ़ी टीम के खिलाड़ी प्रभात को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

अतिथि समाजसेवी सुधीर मिश्रा व सौरभ बाजपेयी व मुकेश शुक्ला ने व्यापार मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र दीक्षित व आयोजक आशुतोष तिवारी एवं ग्राम प्रधान अभयकांत दीक्षित की मौजूदगी में विजेता टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के उत्साह और दर्शकों की भारी मौजूदगी ने आयोजन को और भी यादगार बना दिया।

मायावती पर अभद्र टिप्पणी का मामला; बदायूं की कोर्ट ने कांग्रेस नेता उदित राज-सांसद राहुल गांधी को नोटिस जारी किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। बदायूं में अपर जिला जज व विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट प्रथम पूनम सिंघल ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस नेता उदित राज के खिलाफ नोटिस जारी किया है. दोनों नेताओं को 29 जनवरी को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। कांग्रेस के नेता व पूर्व सांसद उदित राज ने बसपा अध्यक्ष मायावती के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में अधिवक्ता जय सिंह सागर की ओर से दायर की गयी फौजदारी निगरानी याचिका की सुनवाई करते करते हुए अदालत ने यह आदेश दिया।

17 फरवरी 2025 को कांग्रेस नेता डॉ. उदित राज ने बसपा अध्यक्ष मायावती की हत्या करने की बात भी कही थी. यह मामला सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के मोहल्ला नेकपुर निवासी जय सिंह सागर पुत्र स्वर्गीय नानकराम से जुड़ा है. उन्होंने अधिवक्ता के माध्यम से धारा 175(3) बीएनएसएस के तहत प्रार्थना पत्र पेश किया है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि 17 फरवरी 2025 को कांग्रेस नेता डॉ. उदित राज ने अपने ट्विटर (वर्तमान में ङ्क्) अकाउंट से बसपा प्रमुख मायावती को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी और वीडियो पोस्ट किए थे. आरोप है कि इन पोस्ट में मायावती के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया था।

याचिका में कहा गया कि इन पोस्ट के माध्यम से न केवल बसपा अध्यक्ष मायावती की छवि धूमिल करने का प्रयास किया गया, बल्कि सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ नफरत फैलाने और समर्थकों को उकसाने की कोशिश भी की गयी. याची के अनुसार, इस तरह की टिप्पणियों से मायावती के समर्थकों और अनुयायियों की भावनाएं आहत हुई हैं तथा समाज में तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई।

अधिवक्ता जय सिंह सागर ने बताया कि एमपी-एमएलए कोर्ट ने इस घटना को दिल्ली की बताकर उसे खारिज कर दिया था. इसके बाद अधिवक्ता ने 25 अगस्त 2025 को जिला जज की अदालत में फौजदारी निगरानी याचिका दायर की थी. इस मामले को जिला जज ने अपर जिला जज व विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट कोर्ट को भेजा था।

इस मामले में सुनवाई चल रही थी. इस मामले में अपर जिला जज व विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट प्रथम पूनम सिंघल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उदित राज को नोटिस जारी किया है. नोटिस में कहा गया है कि 29 जनवरी को अपना पक्ष रखने को या तो वह स्वयं या अधिवक्ता उपस्थित रहें।

व्यापार मंडल ने पुलिस अधीक्षक को जाम की समस्या को लेकर सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

डलमऊ रायबरेली- उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन सौंपा है। व्यापारियों ने जगतपुर रोड से डलमऊ आने वाले अनियंत्रित ट्रकों और डंपरों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है, जिससे लगातार हो रहे हादसों और जाम की समस्या से निजात मिल सके। ज्ञापन में बताया गया कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में खाली ट्रक और डंपर टोल टैक्स बचाने के लिए जगतपुर रोड से मुराई बाग कस्बे होते हुए फतेहपुर की ओर जाते हैं। इन वाहनों की अधिक संख्या कस्बे में जाम का मुख्य कारण बनती है।व्यापारियों ने चिंता व्यक्त की कि जगतपुर रोड पर ही कस्बे के मुख्य विद्यालय स्थित हैं। विद्यालय समय में तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रकों व डंपरों से छात्रों के लिए हादसों का खतरा बना रहता है। पिछले तीन-चार महीनों में कई सड़क हादसे हुए हैं। हाल ही में, 7 जनवरी को शाम 5:30 बजे एक दुखद घटना हुई।

उत्तर प्रदेश पुलिस में कार्यरत एक आरक्षी की माता का सड़क पार करते समय तेज रफ्तार ट्रक से एक्सीडेंट हो गया, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। इस घटना ने स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ा दिया है। व्यापार मंडल ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि जगतपुर से आने वाले ट्रकों और डंपरों के मार्ग पर तत्काल रोक लगाई जाए। इससे व्यापारियों, आम जनमानस और विद्यार्थियों को होने वाली कठिनाइयों को कम किया जा सकेगा। इस अवसर पर ज्ञापन सौंपते समय रामगोपाल वैश्य, अमित तिवारी, संतोष कौशल, पथवारी शंकर, सुनील हांडा और आदित्य यादव सहित कई व्यापारी मौजूद रहे।

निमधा गांव में लगी भीषण आग,पूरा घर जलकर राख

घाटमपुर। घाटमपुर तहसील क्षेत्र के चिटकिनपुर निमधा गांव में आज सुबह अचानक एक दर्दनाक हादसा हो गया, दिनेश निषाद पुत्र रामसिंह निषाद के घर में अचानक आग लग गई, जिसे देखते ही देखते पूरा घर जलकर राख हो गया,आग इतनी भीषण थी कि घर में रखा सारा घरेलू सामान,अनाज, कपड़े,व जरूरी सामान पूरी तरह से जल कर राख हो गए, घटना के समय घर में अफरातफरी मच गई, आसपास के मुहल्ले वालों ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाने का प्रयास किया,बाद में फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई, दमकल बल मौके पर पहुंच कर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, हालांकि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन पीड़ित परिवार को आर्थिक नुकसान हुआ, है पीड़ित परिवार ने प्रशासन से आर्थिक सहायता व मुआवजे की मांग की है, ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है पीड़ित परिवार को शीघ्र राहत सहायता उपलब्ध कराई जाए।

सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन की तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का भव्य समापन, संवाद कार्यक्रम में ज्ञान और सम्मान का संगम

● .....जीएसटी ट्रिब्यूनल प्रैक्टिस पर वरिष्ठ अधिवक्ता अक्षय अग्रवाल का व्याख्यान, विजेता खिलाड़ियों व अधिवक्ताओं को किया गया सम्मानित।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मीराबाई मार्ग स्थित राज्य कर भवन के सभागार में शुक्रवार को सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन द्वारा तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता के भव्य समापन के अवसर पर 'संवाद' कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। एसोसिएशन की कार्यकारिणी के तत्वावधान में आयोजित इस विशेष सत्र का उद्देश्य अधिवक्ताओं के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को सम्मानित किया गया, जिससे उपस्थित सदस्यों में उत्साह और गर्व का वातावरण देखने को मिला।

संवाद कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अक्षय अग्रवाल ने "जीएसटी ट्रिब्यूनल प्रैक्टिस-लॉ एण्ड प्रोसीजर" विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने जीएसटी कानून की व्यवहारिक जटिलताओं, ट्रिब्यूनल प्रक्रिया और अधिवक्ताओं के समक्ष आने वाली चुनौतियों पर सारगर्भित चर्चा करते हुए उपस्थित अधिवक्ताओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान एसोसिएशन द्वारा सम्मानित अधिवक्ता सदस्यों का सामूहिक जन्मदिवस भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जिससे कार्यक्रम में आपसी सौहार्द और भाईचारे का भाव और प्रबल हुआ। कार्यक्रम का सफल आयोजन एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय मिश्र एवं महामंत्री शिव कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जबकि कार्यक्रम का कुशल संचालन अधिवक्ता दिलीप यशोवर्धन ने किया। इस अवसर पर राज्य कर विभाग के जॉइंट कमिश्नर नीरज सिंह, कार्यकारिणी के वरिष्ठ पदाधिकारी, उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव सहित बड़ी संख्या में सदस्य अधिवक्ता उपस्थित रहे। अंत में महामंत्री शिव कुमार पाण्डेय ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे ज्ञानवर्धक और सामूहिक आयोजनों को निरंतर जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।

फर्जी डिग्री घोटाला- जेएस विश्वविद्यालय की मान्यता रद्द, उत्तर प्रदेश सरकार ने 4,000 छात्रों की सुरक्षा के लिए पैनल का गठन किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने मंगलवार को फिरोजाबाद जिले के सिकोहाबाद स्थित जेएस विश्वविद्यालय की मान्यता रद्द करने को मंजूरी दे दी, क्योंकि जांच में पाया गया कि यह निजी संस्थान कथित फर्जी डिग्री घोटाले में शामिल था। चूंकि इस निर्णय से विश्वविद्यालय के विभिन्न स्ट्रीम के लगभग 4,000 छात्र प्रभावित होने की संभावना है, इसलिए सरकार ने सत्यापन और भविष्य में मंजूरी देने के लिए आगरा स्थित बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति के नेतृत्व में तीन सदस्यीय समिति गठित करने का निर्णय लिया है।

जेएस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सुकेश यादव और रजिस्ट्रार नंदन मिश्रा को पिछले साल मार्च में राजस्थान पुलिस ने गिरफ्तार किया था, जिसने पाया कि विश्वविद्यालय से आवेदकों द्वारा प्रस्तुत की गई डिग्रियां "फर्जी" थीं और चयनित छात्रों की संख्या वहां स्वीकृत सीटों की वास्तविक संख्या से अधिक थी।

बाद में, उत्तर प्रदेश के गृह विभाग और उच्च शिक्षा विभाग के साथ-साथ फिरोजाबाद जिला प्रशासन ने अलग-अलग जांच की और पाया कि विश्वविद्यालय ने स्वीकृत सीटों से कहीं अधिक और उन धाराओं के लिए भी डिग्रियां दी थीं जिनके लिए उसे मान्यता भी प्राप्त नहीं थी। उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा, "न्यायालय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और रजिस्ट्रार को मार्च 2025 में राजस्थान पुलिस ने तब गिरफ्तार किया था जब उन्हें शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की परीक्षा के लिए चयनित उम्मीदवारों की डिग्रियां फर्जी मिलीं।" "हमने इस मामले का संज्ञान लिया है और विश्वविद्यालय की मान्यता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया गया है। यह भी पाया गया कि उन्होंने स्वीकृत सीटों की संख्या से दोगुने से अधिक डिग्रियां दी थीं," मंत्री ने कहा। उपाध्याय ने आगे बताया कि सभी छात्रों के दस्तावेज बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा की हिरासत में रहेंगे, जो उचित सत्यापन के बाद उन्हें भविष्य के प्रमाण पत्र प्रदान करेगा।

बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय समिति विश्वविद्यालय के बंद होने की प्रक्रिया के दौरान विश्वविद्यालय के कामकाज का प्रबंधन करेगी। इस समिति में बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार और एक स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी सदस्य होंगे।

सेमीफाइनल में नवीन इलेवन ने आशीष इलेवन को दी शिकस्त

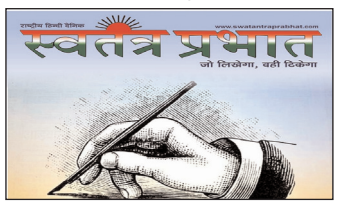

लालगंज। क्षेत्र के अझारा में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में आशीष इलेवन और नवीन इलेवन के बीच हुआ। नवीन इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर 82 रन बनाया। 83 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आशीष इलेवन निर्धारित 10 ओवरों में 56 रन ही बना सकी। आशीष एकादश की ओर से श्रीश पांडेय डीएम ने 35 रनों की नाबाद पारी खेली, लेकिन अपनी टीम के खिलाड़ियों का साथ नहीं मिलने के कारण टीम को जीत नहीं दिला सके। इस मौके पर आयोजक सभासद धर्मपाल गौतम, संयोजक अजय मिश्र, विद्या शंकर मिश्र, कुलदीप, केविन मार्शल, अभिषेक मिश्र, पवन मिश्रा, ललित तिवारी, गिरिजाकांत द्विवेदी, अशुतम सिंह, ललित मलिंगा आदि मौजूद रहे।

ठिठुरती सर्दी में गरीबों को सहारा, ग्राम प्रधान ने वितरित किए 35 कंबल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद लखनऊ। दिन ब दिन बढ़ती हांड कंपाऊ ठंड को देखते हुए तहसील प्रशासन ने ग्राम पंचायतो में जरूरतमंदो को कंबल वितरण किए गए। कड़ाके की ठंड से बचने के लिए ग्राम प्रधानों ने गरीब जरूरतमंदों को कंबल बांटे। बढ़ती ठंड को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने लेखपालों और प्रधानों को यह जिम्मेदारी सौंपी है। कि घर-घर जाकर जरूरतमंद असहाय व गरीबों को कंबल वितरण करे,जिससे उनका ठंड से बचाव हो सके। बीते एक सप्ताह के चलते ठंड व गलन का प्रकोप काफी बढ़ गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब असहाय लोग ठंड की मार से जूझ रहे थे जिनकी समस्या को देखते हुए प्रशासन ने निरंतर कंबल वितरण का कार्यक्रम करना शुरू कर दिया है। इसी श्रृंखला में आज ग्राम पंचायत नई बस्ती धनेवा में ग्राम प्रधान विजय कुमार मौर्य ने गांव के गरीब व जरूरतमंदो को 35 कंबल वितरित किए ठिठुरती ठंड में कंबल पाकर गरीबों के चेहरे खिल उठे। प्रधान ने बताया अभी यह अभियान लगातार जारी रहेगा ।जो भी गरीब- असहाय लोग कंबल पाने से वंचित रह गए हैं उन्हें भी इसका लाभ मिलेगा।

मिलेट्स रेसिपी विकास एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम तथा कृषि सूचना तंत्र के शुद्धणीकरण के अंतर्गत जनपद स्तरीय रवी उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर 9 जनवरी चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश श्री अन्न (मिलेट्स) पुनरोद्धार कार्यक्रम योजनातर्गत मिलेट रेसिपी विकास एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम एवं कृषि सूचना तंत्र के शुद्धणीकरण के अंतर्गत जनपद स्तरीय रवी उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत फीता काटकर पूर्व सांसद एवं आवासन व शहरी कार्य राज्य मंत्री माननीय कौशल किशोर ने की। पूर्व सांसद कौशल किशोर ने बताया कि एक समय था कि मोटे अनाज सभी के घरों में होता था आज मोटा अनाज गायब हो गया है जिस कारण से बीमारियां बढ़ती चली जा रही हैं उन्होंने किसानों को भारत सरकार की कृषि संबंधी योजनाओं की जानकारी भी दी और मोटे अनाज की खेती करने पर जोर दिया । महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ टी पी सिंह ने मोटे अनाजों का चिकित्सीय महत्व बताया और उन्होंने कहा कि गेहूं चावल में ग्लाईसेमिक इंडेक्स बढ़ रहा है मोटे अनाज स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक होते हैं। इसमें फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है पाचन शक्ति को बढ़ाते हैं बीमारियों को रोकने का काम करते हैं। महाविद्यालय के शोध अधिकारी प्रो गजेंद्र सिंह ने मोटे अनाजों की खेती का रकबा बढ़ाने तथा खरपतवार प्रबंधन पर जानकारी दी। महाविद्यालय के कृषि कीट विज्ञान सह -आचार्य डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने किसानों को आम की फसल पर जाला कीट प्रबंधन तथा जायद की फसलों में सब्जी वर्गीय एवं मीठे फलों की खेती तथा मिलेट्स की खेती करने पर जोर दिया। कहां की मीठे फलों से आमदनी अधिक मिलती है और लागत कम आती हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ योगेंद्र कुमार सिंह ने मशरूम की खेती तथा मिलेट्स की खेती करने पर चर्चा की, कृषि सलाहकार सुरेश राजपूत मिलेट्स की खेती तथा मिलेट्स मूल्य संवर्धन एवं विपणन पर विधिवत किसानों को बताया। मोटे अनाजों से रेसिपी बनाने की प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय बक्शी का तालाब की ए-टीम एवं बी-टीम, महिला स्वयं सहायता समूह विकास खंड बक्शी का तालाब की सी- टीम, महिला स्वयं सहायता समूह विकासखंड मलिहाबाद की डी- टीम तथा कृषि विभाग जनपद लखनऊ की ई- टीम ने प्रतिभाग किया इन्होंने सावां की खीर, रागी का हलवा बाजरा की खिचड़ी बनाई जो लोगों को बहुत भाई। महिला स्वयं सहायता समूह बीकेटी की महिलाओं द्वारा बाजरे की खिचड़ी में प्रथम, सांवा की खीर में द्वितीय तथा रागी के हलवा में तृतीय स्थान मिला, महिला स्वयं सहायता समूह मलिहाबाद की महिलाओं द्वारा बाजरे की खिचड़ी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय ग्रुप ए की टीम द्वारा रागी के हलवा में प्रथम स्थान एवं सांवा की खीर में तृतीय स्थान प्राप्त किया, चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय की ग्रुप बी टीम को सावां की खीर में प्रथम, रागी के हलवा में द्वितीय, बाजारे की खिचड़ी में तृतीय स्थान मिला तथा कृषि विभाग की टीम को रागी का हलवा, सांवा की खीर तथा बाजरे की खिचड़ी में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। रेसिपी प्रतिभागियों को उप कृषि निदेशक विनय कौशल ने प्रशस्पती पत्र एवं पुरस्कार की धनराशि देकर सम्मानित किया।

श्री अन्न (मिलेट्स) रेसिपी कार्यक्रम में भूमि संरक्षण अधिकारी संगीता कटियार, खंड विकास अधिकारी बक्शी का तालाब पूजा पांडे, कृषि विभाग के सुरेश कुमार राजपूत, रूपेंद्र कुमार,अनूप यादव, सुनील कुमार, गगन, सचेंद्र सिंह, अविनाश सिंह, मोहिनी सैनी, कोमल यादव, नगमा, नीलांजना टंडन, प्रियंका शिवहरे, सचीद्र बैष्य, सिल्की खरे, दीपक यादव तथा कृषि महाविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी तथा 300 से अधिक महिला पुरुष किसान एवं छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया सभी किसानों को सार संग्रह वितरित किए गए तथा लंच कराया गया। उप कृषि निदेशक विनय कौशल द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच का संचालन चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के सह-आचार्य डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने किया।

राजा भोज की भूमि पर इतिहास के घाव आज भी हरे- भोजशाला निरीक्षण के दौरान बोले राजपुरोहित मधुर जी

● ...माँ शारदा विद्या-पीठ की दुर्दशा पर जताई पीड़ा, प्रतिमा पुनर्स्थापना और प्रशासनिक निर्णय न होने पर जनआंदोलन की चेतावनी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ अयोध्या से पधारे सनातन प्रचारक एवं धर्म गुरु राजपुरोहित मधुर जी ने शुक्रवार को धार जिले में स्थित ऐतिहासिक राजा भोज की धर्मशाला (भोजशाला) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने माँ शारदा/माँ सरस्वती के दर्शन कर इस पवित्र और ऐतिहासिक विद्या-पीठ को शीघ्र ही अव्यवस्थाओं एवं अनियमितताओं से मुक्त कराने का संकल्प व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि इतिहासकारों के अनुसार खिलजी आक्रांता अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल में इस महान विद्या-केंद्र पर सुनियोजित आक्रमण किया गया, जिसमें माँ शारदा की प्रतिमाओं को खंडित किया गया, गुरुकुलों का विध्वंस किया गया तथा हजारों संस्कृत विद्यार्थियों की निर्मम हत्या कर उनके शवों को कुंडों में डाल दिया गया। उन्होंने इसे केवल एक स्थल का नहीं, बल्कि भारत की सनातन शिक्षा परंपरा और सांस्कृतिक चेतना के विनाश का षड्यंत्र बताया। राजपुरोहित मधुर जी ने कहा कि प्रत्येक वर्ष बसंत पंचमी जैसे पावन पर्व पर हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं के साथ कठोरता और भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जाता है, जबकि प्रशासन का सौतेला रवैया अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हिंदुओं के जीवित रहते यदि माँ भगवती शारदा का यह पवित्र विद्या-पीठ आज भी जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है, तो यह पूरे हिंदू समाज के आत्मसम्मान पर आघात और कलंक का विषय है। उन्होंने सरकार और संबंधित प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र कोई ठोस एवं सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आने वाले समय में व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। अंत में राजपुरोहित मधुर जी ने माँ शारदा की प्रतिमा को लंदन से पुनः भारत लाकर उनके मूल स्थान पर विधिवत पुनर्स्थापित करने की मांग की, ताकि सनातन संस्कृति, शिक्षा परंपरा और राष्ट्र के गौरव की पुनर्स्थापना हो सके। इस अवसर पर धनुर्वेदी अखाड़ा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल , भाजपा युवा मोर्चा के जिला महामंत्री तरुण सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अधिवक्ता सुरक्षा यात्रा का कारवां पहुंचा महराजगंज, विधेयक मंजूरी को लेकर जमकर नारेबाजी

प्रतापगढ़। प्रदेश की राजधानी लखनऊ से आल इण्डिया रूरल बार एसोसिएशन के बैनरतले निकली अधिवक्ता सुरक्षा यात्रा शुक्रवार को दोपहर बाद कलेक्ट्रेट परिसर पहुंची। वाराणसी, मिर्जापुर, बलिया, देवरिया, गोरखपुर होते हुए महराजगंज पहुंची। अधिवक्ता सुरक्षा यात्रा को लेकर कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन भवन के परिसर में वकीलों में गर्मजोशी का माहौल रहा। बार एसोसिएशन भवन के समक्ष प्रथम राष्ट्रपति डा.राजेन्द्र प्रसाद की प्रतिमा के सामने एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल के नेतृत्व में एकजुट हुए अधिवक्ताओं ने अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम विधेयक को लेकर जमकर नारेबाजी की। इसके पहले अधिवक्ता सुरक्षा यात्रा का नेतृत्व कर रहे एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने डा.राजेंद्र प्रसाद जी की प्रतिमा पर साथियों के साथ माल्यार्पण भी किया। यहां वकीलों की हुई आमसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि संसद के नजदीकी बजट सत्र में केंद्र सरकार अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम का विधेयक लेकर आये। उन्होने कहा कि सत्ता एवं विपक्ष दोनों लाबी को सदन के पटल पर अधिवक्ताओं की सुरक्षा से जुड़े विधेयक को ध्वनि मत से पारित कराया जाना चाहिए। श्री शुक्ल ने विधेयक के मसौदे की जानकारी देते हुए बताया कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा के साथ इस विधेयक में बुजुर्ग अधिवक्ता पेंशन, कैशलेस हेल्थ बीमा योजना, पांच वर्ष के लिए युवा अधिवक्ता, लाइब्रेरी प्रोत्साहन भत्ता जैसे प्राविधान भी रखे गये हैं। परिसर में वरिष्ठ अधिवक्ता आशीष कुमार त्रिपाठी, उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश शुक्ल, आदि की अगुवाई में अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम यात्रा का स्वागत भी किया गया। आमसभा की अध्यक्षता कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ओमप्रकाश मिश्र व संचालन महामंत्री ब्रजेश पटेल ने किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कृष्ण नन्द त्रिपाठी, जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव, प्रहलाद कुमार पटेल, अंकिता सिंह, एल बिलिएम,पूर्व महामंत्री धर्मेंद्र त्रिपाठी, प.राम कुमार त्रिपाठी व जनार्दन मिश्र आदि को संघर्ष में योगदान के लिए एसोसिएशन की ओर से सम्मान पत्र भी सौपा। इस मौके पर अधिवक्ता सत्य प्रकाश पासवान, सतीश चन्द्र प्रजापति, राकेश तिवारी, लाल श्रीवास्तव, राजेंद्र पटेल, वीरभद्र पाल,अब्दुल मन्नान सिद्दीकी आदि आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

समाजसेवी आशुतोष ग्वाला भाजपा पार्टी के उम्मीदवार और प्रत्याशी के रूप से जिला अध्यक्ष कल्याण गोस्वामी के हाथों ज्ञापन सौंपा

श्रीभूमि समाजसेवी आशुतोष ग्वाला ने आगामी असम विधानसभा चुनाव2026 के तहत 121 नंबर हाइलाकांडी विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार एवं प्रत्याशी के रूप में अपना राजनीतिक औपचारिक रूप से जिला अध्यक्ष श्री कल्याण गोस्वामी के हाथों ज्ञापन सौंपा। यह कार्यक्रम गत 7 जनवरी (बुधवार) को सम्पन्न हुआ। ज्ञापन सौंपे जाने के अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक, पार्टी पदाधिकारी एवं समर्थक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख लोगों में, हैलाकंदी के वरिष्ठ अधिवक्ता सानी बिश्वास, भूलन शुक्लाबुद्ध, कृष्ण प्रसाद रविदास राजीव कुर्मी, देवेंद्र बारई सहित अनेक शुभचिंतक एवं उत्साही सहयोगी शामिल थे। इस अवसर पर आशुतोष ग्वाल ने सभी वरिष्ठजनों, समर्थकों एवं सहयोगियों के प्रति हार्दिक कृतज्ञता एवं अभिनंदन व्यक्त करते हुए कहा कि वे क्षेत्र के समग्र विकास, जनसेवा और संगठन की मजबूती के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह और सकारात्मक माहौल देखने को मिला, वहीं आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियों में भी तेजी आना शुरू हो गई है।

सड़क सुरक्षा माह स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

आजमगढ़ सड़क सुरक्षा माह अभियान के तहत परिवहन विभाग द्वारा वाहन चालकों की आंखों की जांच के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों ने आंख जांच कराई। शिविर में एआरटीओ अतुल यादव स्वयं मौजूद रहे और उन्होंने चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय सही दृष्टि होना बेहद जरूरी है, क्योंकि आंखों की कमजोरी दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन सकती है। जांच के दौरान जिन चालकों की आंखों में कमी पाई गई, उन्हें तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी गई। एआरटीओ अतुल यादव ने बताया कि सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे समय-समय पर अपनी आंखों की जांच कराएं और यातायात नियमों का पालन करें। आंख जांच शिविर में परिवहन विभाग के कर्मचारियों के साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौजूद रही। लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित के लिए उपयोगी कदम बताया।

सड़क दुर्घटना के चौथे दिन जिंदगी की जंग हार गया हर्षित, इलाज के दौरान मौत

हमीरपुर- बीते मंगलवार की देर शाम भमौरा मार्ग में सड़क हादसे में घायल युवक की शुक्रवार को सुबह कानपुर में उपचार के दौरान मौत हो गई। इससे परिवार में कोहराम मच गया। मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था और पिता के साथ खेती किसानी में हाथ उठाकर सहयोग करता था। बीते मंगलवार को सुमेरपुर थाना क्षेत्र के भमौरा निवासी निखिल सिंह गांव निवास हर्षित सिंह 24 के साथ कस्बे में बाजार करने बाइक से आया था। देर शाम दोनों बाइक से गांव लौट रहे थे। भभौरा मार्ग में अज्ञात वाहन की टक्कर से दोनों घायल होकर बेहोशी की हालत में रातभर सड़क किनारे पड़े रहे थे। बुधवार को सुबह जानकारी होने पर परिजनों ने दोनों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया था। डाक्टरों ने निखिल सिंह को मृत घोषित कर दिया था। हर्षित को गंभीर हालत में कानपुर रेफर किया गया था। गुरुवार को तड़के 4:00 बजे हैलेट से जवाब होने पर एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शुक्रवार को सुबह 7:00 बजे हर्षित ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक के पिता अरविंद सिंह ने बताया कि हर्षित तीन भाइयों में सबसे छोटा और अविवाहित था। खेती किसानी में हाथ बटाकर सहयोग करता था अचानक हुई इस घटना से भाई धीरेन्द्र, शतवेंद्र सिंह को रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। प्रधान प्रतिनिधि गौरव सिंह ने मृतक के घर पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाया है।

हमीरपुर में अवैध खनन पर प्रशासन का चला चाबुक

● खनिज व परिवहन विभाग की संयुक्त टीम ने किए नौ ट्रक सीज

कार्यवाही से ट्रांसपोर्टरों में मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- जनपद में अवैध खनन और खनिज के गैरकानूनी परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन ने सख्ती और तेज कर दी है। इसी क्रम में बृहस्पतिवार देर रात खनिज विभाग और परिवहन विभाग की संयुक्त टीम ने सुमेरपुर थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से खनिज परिवहन कर रहे 9 ट्रकों को पकड़कर सीज कर दिया। अचानक की गई इस कार्रवाई से पूरे क्षेत्र में ट्रांसपोर्टरों और अवैध खनन से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई सुमेरपुर थाना क्षेत्र के बांकी- ललपुरा मार्ग पर की गई। देर रात जैसे ही विभागीय टीम ने चेकिंग शुरू की, वैसे ही कई ट्रक चालकों ने अपने वाहनों को बचाने के लिए भागने का प्रयास किया। कुछ चालकों ने ट्रकों को सुनसान स्थानों और रास्ते से हटकर झाड़ियों व खाली जगहों में छिपा दिया। हालांकि, सतर्क और मुस्तैद टीम ने इलाके में सघन तलाश अभियान चलाया और सभी ट्रकों को बरामद कर लिया।

पीछा कर पकड़े गए दो ट्रक, पूछताछ में खुला राज

एआरटीओ अमिताभ राय ने बताया कि चेकिंग के दौरान दो ट्रकों का पीछा कर उन्हें रोका गया। जब चालकों से कागजात मांगे गए तो वे वैध प्रपत्र प्रस्तुत नहीं कर सके। सख्ती से पूछताछ करने पर यह जानकारी सामने आई कि सात अन्य ट्रक भी पास के इलाके में छिपाकर खड़े किए गए हैं। इसके बाद खनिज इंस्पेक्टर उमाकांत के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए सभी चिन्हित स्थानों पर दबिश दी गई और शेष ट्रकों को भी जब्त कर लिया गया।

फैक्ट्री एरिया चौकी में खड़े कराए गए सीज वाहन

कार्रवाई के बाद सभी 9 सीज किए गए ट्रकों को फैक्ट्री एरिया चौकी में खड़ा कराया गया है। संबंधित वाहनों के खिलाफ नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग द्वारा खनिज की मात्रा, स्रोत और परमिट की जांच की जा रही है, वहीं परिवहन विभाग की ओर से वाहन प्रपत्रों और टैक्स संबंधी जांच की जा रही है।

सुबह भी जारी रही कार्रवाई, चार और वाहन सीज

एआरटीओ अमिताभ राय ने बताया कि केवल रात ही नहीं, बल्कि बृहस्पतिवार सुबह भी अवैध परिवहन के खिलाफ कार्रवाई की गई, जिसमें चार अन्य वाहनों को सीज किया गया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अवैध खनन और खनिज के गैरकानूनी परिवहन को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।प्रशासन ने साफ किया है कि आने वाले दिनों में भी संयुक्त चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा। अवैध खनन में लिप्त वाहन मालिकों, ट्रांसपोर्टरों और खनन माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद से क्षेत्र में अवैध खनन से जुड़े लोगों में भय का माहौल है।

बहला फुसलाकर किशोरी को भगाया, केस

सिद्धार्थनगर जिले के गोल्हौर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासिनी एक किशोरी को अज्ञात द्वारा भगा ले जाने का मामला प्रकाश में आया आया है। किशोरी के अपहरण की आशंका जताते हुए परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अपहृत किशोरी की मां ने थाने में तहरीर देकर कहा है कि उनकी पुत्री उम्र लगभग 17 वर्ष बीते 7 जनवरी की शाम लगभग 3 बजे बिना किसी को बताए घर से कहीं चली गई। काफी खोजबीन किए जाने के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं लग सका। रिश्तेदारों व परिचितों के यहां भी पता लगाया गया, लेकिन वह कहीं नहीं मिली। उनकी पुत्री के पास खुद का मोबाइल फोन नहीं था, वह कभी-कभी घर के मोबाइल से चोरी-छिपे किसी से बात किया करती थी। जिससे आशंका है कि किसी अज्ञात व्यक्ति मेंरी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। थानाध्यक्ष रामदेव ने बताया कि किशोरी की तलाश के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई है। संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है तथा हर पहलू से मामले की जांच की जा रही है।

एनसीसी CATC में सिलचर गवर्नमेंट बॉयज़ हायर सेकेंडरी स्कूल के कैडेट्स का उत्कृष्ट प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- असम के सिलचर गवर्नमेंट बॉयज़ हायर सेकेंडरी स्कूल के एनसीसी कैडेट्स ने हाल ही में सिलचर में आयोजित कंबाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप (CATC) में सराहनीय प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। दिसंबर माह में आयोजित पहले CATC कैंप में कैडेट नदीम अब्बास ने ड्रिल (DST) प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनकी अनुशासनशीलता, लगन और सटीक ड्रिल ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इसी कैंप में कैडेट देबाशीष दास ने ड्रिल (DST) में द्वितीय स्थान हासिल कर विद्यालय को गर्व महसूस कराया। इसके बाद जनवरी में आयोजित दूसरे CATC कैंप में सीनियर कैडेट मोस्तफा आलम लस्कर ने ड्रिल (DST) में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय की सफलता की परंपरा को और आगे बढ़ाया। इसके अतिरिक्त सुमित दास, राज दास, सृजन सिन्हा और सहारुल आलम ने टग ऑफ वॉर प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इन दोनों प्रशिक्षण शिविरों में विद्यालय के कुल 27 कैडेट्स ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण शिविर में कछार ज़िले के 12 स्कूलों और कॉलेजों के एनसीसी कैडेट्स ने सहभागिता की। CATC शाहिदुल चौधरी ने सभी कैडेट्स की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने बताया कि 3 असम बटालियन एनसीसी की A, B और ष्ट सर्टिफिकेट परीक्षा 18 जनवरी से प्रारंभ होगी तथा सभी कैडेट्स को परीक्षा के लिए शुभकामनाएँ दीं।

शॉर्ट सर्किट से कच्चे घर में लगी आग, वृद्ध की जलकर मौत

● सभी परिजन गए थे मजदूरी पर, अकेला घर में था वृद्ध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- कोतवाली क्षेत्र के ग्राम परैथा में छप्पर/टीनशेड युक्त एक घर में बिजली शॉर्ट सर्किट से आग लग गई जिससे घर के अंदर मौजूद वृद्ध की जलकर मौत हो गई, साथ ही गृहस्थी का सामान जलकर खाक हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्राप्त जानकारी के अनुसार परैथा निवासी श्रीराम बरार (68) पुत्र स्व. नथू का छप्पर युक्त घर गांव में नरिया किनारे महावीर मंदिर के समीप स्थित है और वह बेहद गरीब है। शुक्रवार की सुबह उसके दोनों बेटे खेत में पानी लगाने के लिए मजदूरी पर गए हुए थे जबकि बहुएं और उनके बच्चे अन्यत्र गांव मटर की फली तोड़ने गई हुई थीं। घर पर श्रीराम अकेला मौजूद था। इसी दरम्यान करीब पौने 11 बजे अचानक बिजली शॉर्ट सर्किट से घर में आग लग गई और देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। शारीरिक रूप से कमजोर श्रीराम आग की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया जिससे उसकी मौत हो गई जबकि गृहस्थी का सामान भी जलकर खाक हो गया। आग की लपटें उठती देख मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई और आग बुझाने में लोग जुट गए। सूचना मिलते ही कुछ देर के बाद फायर ब्रिगेड गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई थी। सीओ परमेश्वर प्रसाद, कोतवाल अजीत सिंह ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक जांच पड़ताल की। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के दो बेटे कल्लू और अरविंद हैं जबकि तीसरे बेटे राजेंद्र सहित पत्नी फूलवती की कुछ साल पहले कैंसर की बीमारी से मौत हो गई थी। एक बेटी है जिसकी शादी हो चुकी है। मृतक और उसके दोनों बेटों के नाम करीब एक बीघा जमीन है। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

सड़क सुरक्षा से ही सुरक्षित भविष्य का निर्माण- डीएम

●बीकेडी एल्ड्रिच पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का शुभारम्भ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उरई (जालौन)- राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का शुभारम्भ बीकेडी एल्ड्रिच पब्लिक स्कूल में मुख्य अतिथि जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक डॉ दुर्गेश कुमार की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन परिवहन विभाग, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से किया गया, जिसमें एनसीसी एवं एनएसएस के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा का माध्यम है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें तथा अपने परिवार व समाज को भी इसके प्रति जागरूक करें। पुलिस अधीक्षक डॉ दुर्गेश कुमार ने कहा कि हेलमेट, सीट बेल्ट, गति सीमा एवं नशे की हालत में वाहन न चलाने जैसे नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं गणमान्य नागरिकों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई तथा यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ डीके भिटौरिया, वरिष्ठ सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी सुरेश कुमार, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश कुमार, बेसिक शिक्षा अधिकारी चन्द्रप्रकाश, यातायात प्रभारी बीर बहादुर सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, ऑटो यूनियन, यूपीडा, वाहन एजेंसियों के प्रतिनिधि, विद्यालय प्रबंधन एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहीं।

गाय की उपयोगिता को लेकर गोष्ठी आयोजित

हमीरपुर- सुमेरपुर कस्बे में गाय की उपयोगिता को लेकर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। गौसेवक गयादीन प्रजापति ने बताया कि गाय एक दिव्य प्राणी है और श्रृष्टि के कल्याण के लिए उसका जन्म हुआ है।बताया कि गाय के गोबर और गौमूत्र तक से मानव जीवन के लिए उपयोगी वस्तुओं का निर्माण किया जाता है।बताया गया कि गौ संपर्क में रहने मात्र से कई बीमारियों का उपचार स्वतः ही हो जाता है और गाय का रोम-रोम मनुष्य के लिए विशेष लाभप्रद है। गाय के 100ग्राम घी और 50ग्राम चावल से हवन करने पर 10टन ऑक्सीजन का निर्माण होता है। गाय के गोबर से कम्पोस्ट खाद, मूर्तियां, दवाएं आदि बनाई जाती हैं।कार्यक्रम में आए अन्य वक्ताओं ने भी प्राचीन काल से गाय और मानव के सम्बन्धों के बारे में व्याख्यान दिए और बताया गया कि गाय हर तरीके से मानव के लिए किस तरह उपयोगी है।कार्यक्रम में लोगों को गाय से सम्बंधित उत्पादों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में नैंसी, रामबाबू, रामकृपाल, आशीष, जग्गू, मनोज, दिनेश, राकेश, बैजनाथ, चंद्रकुमार, शिवकुमार, अजय प्रजापति सहित कई लोग मौजूद रहे।

सड़क के लिए अनशन पर बैठे ग्रामीणों को मिला सपा का साथ, जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में प्रतिनिधि मण्डल शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- मौदहा क्षेत्र के परसदवा डेरा की लगभग सात सौ मीटर सडक निर्माण की मांग को लेकर बीते पांच जनवरी से, ऐसी हाड़ कंपा देने वाली ठंड में , खुले आसमान के नीचे महिलाओं और बच्चों को लेकर ग्रामीण बैठे हैं लेकिन जिम्मेदारों के कान में जूं तक नहीं रेंग रही है।वहीं अनशन पर बैठे ग्रामीणों को शुक्रवार को सपा का सहयोग मिल गया जिसके चलते जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में सपा नेताओं का एक प्रतिनिधि मण्डल अनशन में शामिल हुआ।

बताते चलें कि बीते पांच जनवरी को सिसोलर थाना क्षेत्र के ग्राम परसदवा डेरा गऊघाट छानी के ग्रामीण लगभग सात सौ मीटर सडक निर्माण की मांग को लेकर लगातार पत्राचार करते रहे हैं।हालांकि सडक नहीं बनने के कारण एक बार ग्रामीण अनशन पर भी बैठ चुके हैं लेकिन उस दौरान तत्कालीन उपजिलाधिकारी मौदहा ने जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी को फोन पर अवगत करा अनशन स्थल पर जाकर अनशन कारियों से बातचीत कर सडक निर्माण का आश्वासन देकर अनशन समाप्त करा दिया था लेकिन अनशन समाप्त होते ही अधिकारियों का वादा चुनावी वादे की तरह ठण्डे बस्ते में चला गया। जिसके बाद सडक निर्माण की मांग को लेकर इस भीषण सर्दी में ग्रामीण अनशन पर बैठ गए हैं उसी को लेकर शुक्रवार को सपा जिलाध्यक्ष इदरीश खान, सपा अनूसूचित मोर्चा के ओमप्रकाश सोनकर वारसी के नेतृत्व में सपा नेताओं के एक प्रतिनिधि मण्डल ने अनशन कारियों के साथ अनशन में हिस्सा लिया।

बीस दिनों से घने कोहरा और गलन भरी ठंड से जनजीवन अस्त-व्यस्त

● न्यूनतम तापमान 6 डिग्री के करीब, धूप न निकलने से हालात और बिगड़े

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- जनपद में बीते लगभग 20 दिनों से लगातार पड़ रहे घने कोहरे और गलन भरी ठंड ने आम जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। मौसम की मार इतनी गंभीर हो गई है कि लोग दिन में भी घरों से निकलने से कतरा रहे हैं। जिले में न्यूनतम तापमान गिरकर 6 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया है, जबकि दिन का अधिकतम तापमान भी महज 14 डिग्री सेल्सियस के करीब बना हुआ है। लगातार धूप न निकलने से ठंड का असर और अधिक बढ़ गया है। बीते 18 दिसंबर से पूरा हमीरपुर जिला घने कोहरे की चपेट में है। सुबह से लेकर दोपहर तक कोहरा छाया रहता है, जिससे दृश्यता बेहद कम हो जाती है। कोहरे के कारण बाजारों में सन्नाटा पसरा हुआ है और लोग आवश्यक कामों को छोड़कर घरों में दुबके रहने को मजबूर हैं। व्यापारिक गतिविधियों पर भी इसका सीधा असर देखने को मिल रहा है।

सड़कों पर थमी रफ्तार, दिन में भी जलानी पड़ रही हेडलाइट

घने कोहरे के चलते नेशनल हाईवे सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर भारी वाहनों की आवाजाही में भारी कमी दर्ज की गई है। वहीं, छोटे वाहनों की संख्या भी सामान्य दिनों की तुलना में काफी कम हो गई है। हालात ऐसे हैं कि वाहन चालकों को दिन के समय भी हेडलाइट जलाकर वाहन चलाने पड़ रहे हैं। कोहरे के कारण हादसों की आशंका को देखते हुए चालक बेहद सतर्क नजर आ रहे हैं।

पशु-पक्षियों पर भी दिख रहा ठंड का असर

कड़ाके की ठंड का असर केवल इंसानों तक सीमित नहीं है, बल्कि पशु-पक्षियों पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जिले में कई स्थानों से ठंड के कारण पक्षियों की मौत की खबरें सामने आई हैं। ठंड से बेहाल पक्षी पेड़ों से गिरते हुए देखे जा रहे हैं, जिससे लोग भी चिंतित नजर आ रहे हैं।

किसानों की बढ़ी चिंता, फसलों पर पाले का खतरा

ठंड बढ़ने के साथ ही किसानों की चिंता भी बढ़ती जा रही है। पाले की आशंका के चलते सरसों, चना और मटर जैसी रबी फसलों को नुकसान पहुंचने का खतरा मंडरा रहा है। जिन फसलों में फूल आ चुके हैं, उनके झड़ने की संभावना बढ़ गई है, जिससे उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। फसलों को बचाने के लिए किसान रात-रात भर खेतों में जागकर सिंचाई और निगरानी कर रहे हैं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, पाले से बचाव के लिए हल्की सिंचाई सबसे कारगर उपाय मानी जा रही है।

रैन बसेरों में भी पसरा सन्नाटा

नगर क्षेत्र में बने रैन बसेरों में भी सन्नाटा छाया हुआ है। गलन भरी ठंड और कोहरे के कारण लोग यात्रा करने से बच रहे हैं। रैन बसेरों के केयर टेकर भी खुद को ठंड से बचाने के लिए अलाव तापते नजर आ रहे हैं।

पूरी तरह प्रभावित हुआ जनजीवन

लगातार बढ़ रही ठंड और घने कोहरे ने जिले की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और लोग मौसम के खुलने का इंतजार कर रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल ठंड से राहत मिलने के आसार कम हैं, जिससे लोगों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

प्रभारी मंत्री रामकेश निषाद ने प्रेसवार्ता कर गिनाईं "वीबी जी राम जी" योजना की खूबियां

● निरीक्षण दौरान अस्पताल में गंदगी देख प्रभारी मंत्री ने जताई नाराजगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- शुक्रवार सुबह भाजपा कार्यालय पहुंचे प्रभारी मंत्री रामकेश निषाद ने प्रेस वार्ता कर "वीबी जी राम जी" योजना पर विस्तार से चर्चा की इस दौरान प्रभारी मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जी राम जी जिले में प्रभावी रूप से लागू कर दिया गया है। जिसका उद्देश्य वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आजीविका के अवसरों को सशक्त बनाना है। अब ग्रामीण परिवारों को प्रति वर्ष 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों का गारंटी रोजगार मिलेगा, जिससे उन्हें अतिरिक्त 25 दिनों का सीधा लाभ प्राप्त होगा। जिससे योजना में काम करने वाले लोगों को अतिरिक्त आर्थिक लाभ मिलेगा।

पत्रकारों से प्रेसवार्ता के बाद , दोपहर बाद प्रभारी मंत्री ने बांकी मार्ग में संचालित पुराने अस्पताल का औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके बाद वह पशु बाजार के समीप दलित बस्ती पहुंचे और लोगों से मिलकर उनका हाल-चाल जाना।

उसके बाद प्रभारी मंत्री ने बांकी मार्ग में संचालित पुराने अस्पताल के जच्चा बच्चा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। गंदगी देखकर उन्होंने जमकर फटकार लगाई। साथ ही अभिलेख नहीं दिखाने पर उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए लिपिक का स्पष्टीकरण मांगा है। इसके बाद उन्होंने पशु बाजार के समीप सभासद देवेंद्र वर्मा के घर पहुंचे और दलित बस्ती का भ्रमण कर लोगों का हाल-चाल जाना। निरीक्षण के दौरान एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर,जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद, ब्लॉक प्रमुख लालाराम निषाद व आशीष पालीवाल, नगर पालिकाध्यक्ष कुलदीप निषाद,ओमेश सिंह,गौरव पांडेय आदि मौजूद रहे। अस्पताल में निरीक्षण के दौरान मौहर के ग्रामीण ने बताया कि गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कोई डॉक्टर नहीं रहता है।अस्पताल को फार्मासिस्ट मनमानी तरीके से चला रहे हैं।

अलाव- कांग्रेस पार्टी की मंशा पर सभासदों ने किया पानी फेरने का काम

● सभासदों ने ज्ञापन देकर अलावों की स्थिति बताई ठीक

एक दिन पहले कांग्रेस के नेताओं ने अनशन करने की दी थी चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- गलन भरी सर्दी में नगर के अंदर नगर पालिका द्वारा जलवाए जा रहे अलावों की संख्या पर अब आमने-सामने राजनीति और बयानबाजी शुरू होने लगी है। एक दिन पहले ही गुरुवार को कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष रामकिशोर पुरोहित एवं नगर अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी ने कार्यकर्ताओं संग मिलकर एसडीएम ज्योति सिंह को ज्ञापन सौंपा था, जिसमें ईओ पर आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा था कि नगर में अलाव की संख्या बेहद कम है और डीएम के आदेश के बाद भी अलाव की संख्या ईओ द्वारा नहीं बढ़ाई जा रही है जो जनहित के खिलाफ है। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी थी कि यदि अलाव की संख्या नहीं बढ़ाई गई तो 12 जनवरी से अनशन किया जाएगा। उधर, शुक्रवार को एक दर्जन से अधिक सभासद अलाव मामले में मैदान में आ गए।

सभासदों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर कहा कि डीएम ने अपने निरीक्षण के दौरान अलावों की संख्या को चाक चौबंद बताया था और हम सभी सभासदों को भी अलाव की संख्या पर कोई एतराज नहीं है, जरूरत के मुताबिक अलाव वर्तमान समय में जल रहे हैं। ज्ञापन सौंपने वाले सभासदों में माधवेंद्र यादव माधव, नंदनी बादाम कुशवाहा, रविकांत कुशवाहा, सीमा अहिरवार, सुनीता नरेश कुशवाहा, रघुवीर कुशवाहा, खुशबू जाटव, कमरजहां, शाहीन परवीन, आज़ादुद्दीन, मनोज मोर, महेंद्र कुशवाहा, नजराना, शादाब अंसारी शामिल रहे। अब देखना दिलचस्प होगा कि अनशन करने की घोषणा करने वाले कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं का अगला रुख क्या रहता है। फिलहाल जनहित से जुड़ा अलाव का यह मामला शुद्ध रूप से राजनीति की भेंट चढ़ता जा रहा है।

चार घरों को निशाना बनाकर चोर लाखों की नकदी-जेवरात लेकर फरार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कालपी(जालौन)- आटा थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात चोरों ने ताबड़तोड़ वारदातों को अंजाम देते हुए ग्राम तगारेपुर और अकोढ़ी में चार घरों को निशाना बनाया। चोर नकदी और सोने-चांदी के जेवरात समेट कर फरार हो गए। वारदात के बाद भागते हुए आरोपी सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गए हैं। तगारेपुर निवासी अनीस खान ने बताया कि चोर शौचालय की छत के रास्ते उसके घर में घुसे। उस समय पूरा परिवार घर के अंदर सो रहा था और चोरों ने बाहर से मुख्य दरवाजे पर कुंडी लगा दी। इसके बाद चोर दो बक्शे उठाकर छत पर ले गए और उनमें रखे 24 हजार रुपये नकद, दो जोड़ी चांदी की पायल, सोने की मनचली, मंगलसूत्र, झुमकी, टॉप्स तथा दस चांदी के सिक्के चोरी कर लिए। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब तीन लाख रुपये आंकी गई है। जाते समय चोर छत पर लोहे का औजार भी छोड़ गए। इसी गांव में कुछ दूरी पर स्थित गिरजा देवी के कच्चे मकान को भी चोरों ने निशाना बनाया। गिरजा ने बताया कि वह रात में अपने बेटे के घर सोने गई थी। सुबह लौटने पर घर का ताला टूटा मिला और अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोर बक्शे में रखे 17 हजार रुपये नकद और कुछ सोने के आभूषण चोरी कर ले गए। वहीं तगारेपुर से सटे अकोढ़ी गांव में भी चोरों ने दो घरों में सेंधमारी की। अकोढ़ी निवासी कालका प्रसाद के घर चोरों ने प्लास से ताला तोड़कर 5 हजार रुपये नकद और सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। परिजनों को रातभर चोरी की भनक तक नहीं लगी। पास के एक अन्य घर में भी इसी तरह की घटना घटित हुई है, जहां चोर प्लास छोड़कर फरार हो गए।